mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-234 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
24 अगस्त 2026 सोमवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

: ब्रीफ बॉक्स :

नेस्ले-पेप्सिको समेत कई कंपनियों को 150 नोटिस

डोमिनोज के पांच लाइसेंस सस्पेंड

नई दिल्ली,एजेंसी। सरकार ने नियमों का पालन न करने पर कई प्रमुख फूड ब्रांड्स और रिटेल चेन के खिलाफ हाल के महीनों में करीब 150 नोटिस जारी किए हैं।

भारत की खाद्य सुरक्षा नियामक संस्था FSSAI ने ये नोटिस भ्रामक विज्ञापनों, झूठे दावों और लेबल से जुड़े नियमों का पालन नहीं करने पर दिए हैं। जिन कंपनियों को नोटिस जारी किए गए हैं। उनमें नेस्ले इंडिया, पेप्सिको, कोका-कोला इंडिया जैसी बड़ी कंपनियां शामिल हैं।

इसके अलावा अमेजन और फ्लिपकार्ट समेत ई-कॉमर्स कंपनियों को भी नोटिस जारी किए गए हैं। वहीं केएफसी, मैकडॉनल्ड्स, पिज्जा हट, डोमिनोज और कोस्टा कॉफी जैसे फूड सर्विस ब्रांड्स को भी नोटिस मिले हैं। FSSAI ने ई-कॉमर्स कंपनियों अमेजन और फ्लिपकार्ट को 12 नोटिस भेजे हैं। FSSAI ने कहा कि अमेजन के एक वेयरहाउस का लाइसेंस भी रद्द किया गया है।

जालंधर में देश की पहली बाज ड्रोन बटालियन तैनात

500 किलोमीटर से ज्यादा बॉर्डर, सरहद पर रखेगी नजर

एयर स्ट्राइक रोकने में सक्षम

जालंधर,एजेंसी। जालंधर कैंटोनमेंट में आर्मी की 11वीं वज्र कोर ने देश की पहली बाज ड्रोन बटालियन की तैनाती की है। पंजाब जैसे सीमावर्ती राज्य में तैनात ये पहली ड्रोन यूनिट है। पंजाब के पाकिस्तान के साथ लगते 500 किलोमीटर से ज्यादा बॉर्डर पर ड्रोन यूनिट दूर के निगरानी रख पाएगा।

इसके अलावा सामान की सप्लाई और जरूरत पड़ने पर दुश्मन की एयर स्ट्राइक को रोकने की कैपेसिटी रखती है।नई बटालियन की तैनाती को लेकर आर्मी ने एक्स पोस्ट कर जानकारी दी और इसकी तस्वीरें भी साझा की।

बताया गया कि स्वदेशी भारत में ही बने घातक ड्रोन के साथ-साथ अमेरिकी और इजरायली तकनीक वाले हेरॉन और हर्मीस जैसे अत्याधुनिक ड्रोन्स को इसमें शामिल किया गया है। यूनिट में टेक्नीकल सैन्य विशेषज्ञों की टीम तैनात की गई है, जो रियल-टाइम में हाई-डेंसिटी डेटा प्रोसेसिंग, सॉफ्टवेयर अपडेट्स और आधुनिक ड्रोन वारफेयर को संभालने में सक्षम है।

तिरंगे की शान और 140 करोड़ देशवासियों के सपना ही अंतरिक्ष में भारत का संकल्प: पीएम मोदी

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर कहा कि तिरंगे की शान और 140 करोड़ देशवासियों के सपने ही अंतरिक्ष में भारत का संकल्प हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर जारी एक वीडियो में कहा, ' मैंने अयोध्या में कहा था कि यह नए काल की शुरुआत है इस नए काल क्षेत्र में ग्लोबल ऑर्डर में भारतक अपना स्पेस लगातार बड़ा बना रहा है। हम सबने मिलकर 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया संकल्प को सिद्द तक पहुंचाने में स्पेस सेक्टर की भूमिका बहुत बड़ी है। आज ये जेन जी इंजीनियर, जेन जी डिजाइनर और जेन जी वैज्ञानिक नई नई टेक्नोलॉजी बना रहे हैं। ' उन्होंने कहा कि 'प्रपल्शन सिस्ट' 'कंपोजिट मटीरियल' या सैटेलाइट प्लेटफ़ॉर्म हों भारत का युवा आज उन क्षेत्रों में काम कर रहा है जिनकी कुछ साल पहले कल्पना भी संभव नहीं थी।

भ्रष्टाचार और ड्रग्स के लिए सिंगा-पुर जैसे कड़े कानून लाएं

● जोहो फाउंडर श्रीधर वेम्बू ने तमिलनाडु सीएम विजय से फांसी देने की मांग की

चेन्नई,एजेंसी। जोहो फाउंडर श्रीधर वेम्बु ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय को ड्रग डीलिंग और हाई-लेवल करप्शन के खिलाफ सिंगापुर जैसे कड़े कानून बनाने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि भविष्य में होने वाले भ्रष्टाचार के लिए फांसी का प्रावधान किया जाना चाहिए। वेम्बु ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर एक पोस्ट के जरिए मुख्यमंत्री को यह सुझाव दिया। असली समस्या जवाबदेही और पारदर्शिता की कमी है सेंथिल कुमार ने उन मामलों का हवाला दिया जिनमें अमीर राजनेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोप लगते रहे हैं।

उन्होंने कहा कि निचले स्तर के सरकारी कर्मचारियों के पास भी कथित तौर पर 20 करोड़ रुपए या उससे अधिक की संपत्ति मिली है। उन्होंने कहा, 'मुद्दा सिर्फ वेतन के स्तर का नहीं है, बल्कि जवाबदेही, पारदर्शिता और प्रभावी प्रवर्तन की कमी का है। '

सीएम विजय का दावा- हमारे पास पिछली सरकार के करप्शन की फाइलें हैं: तमिलनाडु की सत्ता में आने के बाद से मुख्यमंत्री विजय लगातार कह रहे हैं कि उनकी पार्टी झङ्क्य का लक्ष्य एक 'भ्रष्टाचार मुक्त सरकार' प्रदान करना है। इसी हफ्ते विजय ने विधानसभा में दावा किया कि उनके पास पिछली DMK सरकार के दौरान हुए भ्रष्टाचार के सबूतों वाली फाइलें हैं, जिन्हें वे सही समय पर सार्वजनिक करेंगे।

सिर्फ सैलरी बढ़ाने से भ्रष्टाचार नहीं खत्म होगा: सेंथिल... वेम्बु के इस सुझाव की एक फाइनेंशियल एडवाइजर सेंथिल कुमार ने आलोचना की है। उन्होंने तर्क दिया कि केवल वेतन बढ़ाने से भ्रष्टाचार खत्म नहीं होगा। सेंथिलकुमार ने कहा, 'मैं इस तर्क का कड़ा विरोध करता हूँ कि IAS, IPS के वेतन में वृद्धि से भ्रष्टाचार खत्म हो जाएगा।

छत्तीसगढ़-स्कूल से लौटते समय 3 बच्चे नदी में बहे, मौत

यूपी के बाराबंकी में नाव चल रहीं; एमपी में 6 महीने पुरानी सड़क बही, पुल डूबा

रायपुर/लखनऊ,एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में स्कूल से घर लौट रहे तीन बच्चे घोंघा नदी के तेज बहाव में बह गए। एक दिन बाद रविवार को तीनों बच्चों के शव बरामद कर लिए गए।

मौसम विभाग ने रविवार को प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान जताया है। उत्तर प्रदेश में भी बारिश और नदियों का जलस्तर बढ़ने से 19 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। बाढ़ के चलते बाराबंकी में करीब 1,250 ग्रामीणों के लिए नाव ही आने-जाने का सहारा बनी हुई है। गांवों में पानी भरने से लोगों को रोजमर्रा के काम करने में भी परेशानी हो रही है।

मध्य प्रदेश में लगातार बारिश के चलते कई इलाकों में हालात बिगड़ गए हैं। सीधी में शनिवार को 104 करोड़ लागत से 6 महीने पहले बनी सड़क का बड़ा हिस्सा बारिश में बह गया। नरसिंहपुर में रेतघाट पुल पानी में डूब गया है। सतना में बाइक समेत तीन लोग नाले में बह गए। इनमें दो लोग बच गए। तीसरा लापता है। पन्ना में उफनती नदी में एक डंपर बह गया। राष्ट्रीय राजमार्गों और संपर्क मार्गों पर चट्टानें गिरने के कारण कई जगहों पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया है, जिससे सैकड़ों की संख्या में पर्यटक और स्थानीय लोग रास्ते में ही फंस गए हैं।

बारिश ने पहाड़ी राज्यों में मुश्किलें काफी बढ़ा दी हैं... दूसरी ओर, इस मानसूनी बारिश ने पहाड़ी राज्यों में मुश्किलें काफी बढ़ा दी हैं। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में लगातार हो रही बारिश की वजह से जमीन धंसने और पहाड़ों पर लैंडस्लाइड (भूस्खलन) का गंभीर खतरा पैदा हो गया है।

बालिका गृह में दो बच्चियों ने सहेली को डुबोकर मारा

मथुरा में रो-रोकर नाटक करती रहीं, पकड़ाई तो बोलीं- घर जाना था, इसलिए ऐसा किया

मथुरा,एजेंसी। मथुरा के वृंदावन में राजकीय बालिका गृह में लड़कियों ने 14 साल की सहेली को बाथरूम में डुबोकर मार डाला। पुलिस के मुताबिक, दोनों बालिका गृह से बाहर निकलना चाहती थीं। उन्हें लगा कि किसी की मौत होने पर बालिका गृह बंद हो सकता है और सभी लड़कियों को घर भेज दिया जाएगा। वारदात के बाद पुलिस पहुंची तो आरोपी लड़कियां रोने का नाटक करने लगीं। हंगामा शुरू कर दिया। उन्होंने दूसरी लड़कियों को भी अपने साथ कर लिया। मृत किशोरी को न्याय दिलाने के नाम पर नारेबाजी की। CCTV कैमरों को तोड़ने की भी कोशिश की। पुलिस ने किसी तरह स्थिति संभाली।

शनिवार को पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सामने आई। इसमें पानी में डूबने से किशोरी की मौत की पुष्टि हुई। पुलिस ने CCTV खंगाले तो पता चला कि बाथरूम में तीन किशोरियां गई थीं, लेकिन 45 मिनट बाद दो ही बाहर निकलीं। शक के आधार पर पुलिस ने दोनों से पूछताछ की। दोनों ने वारदात कबूल कर ली।

केंद्र में खाली पद 10 साल में दोगुने: 4.2 लाख से बढ़कर 8.24 लाख हुए

सरकारी कंपनियों में 49% कर्मचारी ठेके पर, पहले 19% थे

नई दिल्ली,एजेंसी। बीते एक दशक में केंद्र सरकार के खाली पद करीब दोगुने हो गए। 2015 में 4.21 लाख पद खाली थे, जो 2024 में बढ़कर 8.24 लाख हो गए। कुल मंजूर पदों में रिक्तियों की हिस्सेदारी 11.5% से बढ़कर 21% हो गई। इस अवधि में केंद्र के विभिन्न विभागों में पदों की कुल मंजूर संख्या में 2.74 लाख का इजाफा हुआ। फिर भी भरे हुए पद 1.29 लाख घट गए।

सरकारी कंपनियों में करीब आधे कर्मचारी ठेके पर हैं। 2015 में ये आंकड़ा 18.6% था, जो 2025 में 49.1% हो गया।

केंद्र के 80 मंत्रालयों और विभागों में 39,23,212 पद मंजूर... केंद्र के सिविल एम्प्लॉइज के वेतन और भत्तों से जुड़ी व्यय विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, केंद्र के 80 मंत्रालयों और विभागों में 39,23,212 पद मंजूर हैं। इनमें से 30,99,656 पद भरे और 8,23,556 खाली हैं। जबकि 2015 में मंजूर 36,49,468 पदों में से 32,28,921 भरे और 4,20,547 खाली थे।

2015 में रेलवे में कोई पद खाली नहीं था। 2024 में 2.40 लाख पद (16.2%) खाली हैं। हेल्थ में भी वेकेंसी की शून्य से 6% पहुंच गई। गृह मंत्रालय में मंजूर पद करीब 1.02 लाख बढ़े, जबकि भर्तियां करीब 49,621 बढ़ीं। यानी नियुक्तियां हुई, लेकिन स्वीकृत पद उससे कहीं तेजी से बढ़े। ऐसे में, रिक्तियां 58,774 से बढ़कर 1,10,885 हो गई। खाली पदों पर कर्मचारियों की आउटसोर्सिंग के लिए सरकारी विभाग जीईएम (गवर्नमेंट ई-मार्केट प्लेस) प्लेटफॉर्म प्रयोग करते हैं।

कैम्ब्रिज की रिपोर्ट में दावा- भारत का रॉकेट लॉन्च महंगा, इसरो ने स्टडी को किया खारिज

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत एक तरफ जहां अपने तीसरे राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर चंद्रयान-3 की ऐतिहासिक सफलता और इसरो की किफायती तकनीक का जश्न मना रहा है, वहीं कैम्ब्रिज और ट्यूरिन यूनिवर्सिटी के नए अध्ययन ने भारतीय अंतरिक्ष प्रतिष्ठान पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

दरअसल, इकोनॉमिक्स लेटर्स में प्रकाशित शोध के अनुसार, भारत की प्रति किलोग्राम पेलोड लॉन्च लागत दुनिया की प्रमुख अंतरिक्ष शक्तियों में सबसे अधिक (13,302 डॉलर प्रति किग्रा) है, जो अमेरिका की तुलना में लगभग चार गुना ज्यादा है। हालांकि, इसरो के अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन ने रिसर्च के आंकड़ों को गलत बताते हुए इस रिपोर्ट को सिरे से खारिज कर दिया है।

क्या कहती है कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी की रिपोर्ट? कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के अर्थशास्त्री एलेसिओ टेरजी की स्टडी के अनुसार, भारत के रॉकेट लॉन्चिंग प्रमुख अंतरिक्ष शक्तियों में सबसे महंगे हैं। जहां 2025 में वैश्विक औसत लॉन्च लागत 3,868 डॉलर प्रति किलोग्राम थी, वहीं अमेरिका में यह औसत 3,225 डॉलर प्रति किलोग्राम, जापान में 5,287 डॉलर, चीन में 5,809 डॉलर, रूस में 6,682 डॉलर और यूरोप में 9,897 डॉलर थी। इसमें भारत 13,302 डॉलर प्रति किलोग्राम के साथ सूची में सबसे ऊपर था।

कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्री एलेसिओ टेरजी और इटली के पॉलिटेक्निको डी टोरिनो के फ्रांसेस्को निकोली के एक नए अध्ययन ने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम से जुड़ी प्रचलित मान्यताओं पर सवाल उठाए हैं। एल्सवियर की प्रतिष्ठित पत्रिका इकोनॉमिक्स लेटर्स में प्रकाशित इस शोध में 1960 से 2025 के बीच हुए 6,740 से अधिक रॉकेट प्रक्षेपणों के डेटा का विश्लेषण किया गया है।

भारत सबसे महंगा... कैम्ब्रिज और ट्यूरिन के शोधकर्ताओं का तर्क है कि जब कक्षा में पहुंचाए गए प्रति किलोग्राम की लागत के नजरिए से प्रक्षेपण अर्थशास्त्र की जांच की जाती है, तो भारत प्रमुख प्रक्षेपण प्रदाताओं में सबसे सस्ता नहीं बल्कि सबसे महंगा बनकर उभरता है।

फ्रांस के पहले बीएपीएस हिंदू मंदिर का उद्घाटन सितंबर में

● 13 दिन चलेगा भारतीय संस्कृति उत्सव ● पेरिस से 30 किमी दूर बना

पेरिस,एजेंसी। फ्रांस में पेरिस से करीब 30 किमी दूर बुसी-सेंट-जॉर्जेस में बने BAPS स्वामीनारायण हिंदू मंदिर का सितंबर 2026 में उद्घाटन होगा। इसे फ्रांस का पहला बड़ा हिंदू मंदिर बताया जा रहा है।

उद्घाटन के साथ 2 से 14 सितंबर तक 13 दिन का 'फेस्टिवल ऑफ कल्चर' आयोजित होगा। इसमें हिंदू परंपराओं, भारतीय कला, संगीत और संस्कृति से जुड़े कार्यक्रम होंगे। लोगों को भारतीय संस्कृति को करीब से जानने और समझने का मौका मिलेगा।

मंदिर सिर्फ पूजा की जगह नहीं होगा। यहां सांस्कृतिक और सामुदायिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। उद्घाटन और उत्सव में भारतीय मूल के लोगों के साथ हिंदू समुदाय और भारतीय संस्कृति में रुचि रखने वाले लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

भारत में तराशे गए पत्थरों से बना मंदिर: पेरिस के पास बने BAPS स्वामीनारायण मंदिर में भारत से लाए गए खास पत्थरों का इस्तेमाल किया गया है। इन्हें भारत में करीब 1,000 साल पुरानी नक्काशी की तकनीकों से तैयार किया गया है। कई हिस्सों पर कारीगरों ने हाथ से बारीक नक्काशी की है। भारत में तैयार किए गए इन पत्थरों को फ्रांस लाकर मंदिर में लगाया गया। इस काम में भारतीय कारीगरों के साथ फ्रांस के विशेषज्ञ भी शामिल रहे। इनमें नोट्रे-डाम कैथेड्रल की मरम्मत से जुड़े कारीगर भी थे। इस तरह मंदिर में भारतीय शिल्पकला और फ्रांस की आधुनिक निर्माण तकनीक का मेल देखने को मिलता है। मंदिर की संरचना में गुंबद, स्तंभ और शिखर जैसी पारंपरिक हिंदू वास्तुकला शामिल है।

1970 में आया था फ्रांस में हिंदू मंदिर बनाने का आइडिया... BAPS पेरिस की वेबसाइट के मुताबिक, फ्रांस में हिंदू मंदिर बनाने का आइडिया 1970 में आया था। इसके करीब 25 साल बाद, 1995 में पेरिस में मंदिर बनाने की योजना पर काम आगे बढ़ा।

2017 में बुसी-सेंट-जॉर्जेस में मंदिर के लिए जमीन मिली। इसके बाद 2021 में निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ी। करीब 56 साल बाद अब 2026 में मंदिर बनकर तैयार है।

योगी के 4 बड़े ऐलान

यूपी में रसोइयों का 5 लाख तक फ्री इलाज होगा

साड़ी के लिए 1000 मिलेगा, मानदेय भी एक हजार बढ़ाया

लखनऊ,एजेंसी। यूपी में सरकारी स्कूलों में रसोइयों के लिए सीएम योगी ने रविवार को 4 घोषणाएं कीं। पहली- महीने का मानदेय 2 हजार से बढ़ाकर 3 हजार रुपए किया। दूसरी- 5 लाख रुपए तक कैशलेस इलाज की सुविधा दी गई। तीसरी- दुर्घटना होने पर 2 लाख रुपए की तत्काल सहायता मिलेगी। चौथी- साड़ी के लिए 500 रुपए को बढ़ाकर 1 हजार किया जाएगा।

लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित समारोह में योगी ने 'पीएम पोषण योजना' से जुड़ी 1500 रसोइयों को संबोधित किया। 11 को मंच पर सम्मानित किया। उन्हें बढ़े हुए मानदेय का चेक, कैशलेस हेल्थ कार्ड, सुरक्षा किट दी। यूपी के 3.53 लाख रसोइयों को इसका लाभ मिलेगा।

योगी ने कहा- पहले हादसा होने पर रसोइयों के परिवार के सामने संकट खड़ा हो जाता था। अब बेसिक शिक्षा परिषद ने स्टेट बैंक के साथ मिलकर खाते खुलवाए हैं। हादसा होने पर बैंक की ओर से 2 लाख रुपए की तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। योगी ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव के उस बयान पर भी निशाना साधा, जिसमें उन्होंने कहा था कि परिवार के 5 सांसद हैं। इसलिए सपा नहीं टूटी। योगी ने कहा- अखिलेश यादव कहते हैं कि परिवार के 5 सांसद हैं, तभी सपा बची है।

इन लोगों ने प्रदेश को लूटकर गुंडा प्रदेश बना दिया था। जमीनों पर कब्जे होते थे। बेटियों की सुरक्षा में सेंध लगती थी। अब कोई बेटियों को छेड़ नहीं सकता। वरना उसकी यमराज से मुलाकात हो जाएगी।

आप जिन विद्यालय में काम करती हैं, वहां रसोई साफ-सुथरी रखें। पौष्टिक भोजन बच्चों को उपलब्ध कराएं। यही बच्चे देश और प्रदेश का भविष्य हैं।

रसोइया सिर्फ पेट नहीं, बच्चों का पोषण तैयार करता है... सीएम ने कहा- रसोई का मतलब सिर्फ पेट भरने के लिए भोजन तैयार करना नहीं, बल्कि बच्चों को पोषण देना भी है। रसोइए देश के बचपन को स्वस्थ बनाने का काम कर रहे हैं। लेकिन पहले उनके स्वास्थ्य की चिंता नहीं की जाती थी। अब एलपीजी की व्यवस्था से उन्हें कोयले और लकड़ी के धुएं से भी मुक्ति मिली है।

ओडिशा के पास चीनी क्रू वाला जहाज डूबा

इंडियन कोस्ट गार्ड-नेवी ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया

24 लोग सवार थे

नई दिल्ली,एजेंसी। ओडिशा के पारादीप तट से करीब 240 समुद्री मील दूर बंगाल की खाड़ी में शनिवार को MV Ocean Winner नाम का एक मालवाहक जहाज डूब गया।

पनामा के झंडे वाले इस जहाज पर 24 क्रू सदस्य सवार थे। दो को बचा लिया गया है, बाकी की तलाश जारी है। पीटीआई के मुताबिक, क्रू में 20 चीन के, 3 म्यांमार और एक बांग्लादेश से है।

जहाज ओडिशा से लौह अयस्क लेकर सिंगापुर जा रहा था। यह शुक्रवार को ओडिशा तट से रवाना हुआ था। जहाज के डूबने की वजह अभी पता नहीं चल पाई है।

हादसे के समय बंगाल की खाड़ी में मौसम भी पूरी तरह सामान्य नहीं था। मौसम विभाग ने उत्तर बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना जताई थी। इससे समुद्र में मौसम खराब हो सकता है। हालांकि, जहाज इसी वजह से डूबा, इसकी अभी पुष्टि नहीं हुई है।

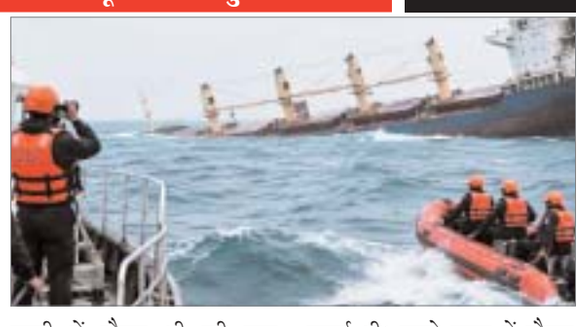

इंडियन कोस्ट गार्ड और नेवी का रेस्क्यू ऑपरेशन... हादसे की जानकारी मिलते ही इंडियन कोस्ट गार्ड और इंडियन नेवी ने क्रू सदस्यों की तलाश और बचाव अभियान शुरू कर दिया। आसपास मौजूद दूसरे जहाजों को भी अलर्ट किया गया है और रेस्क्यू में मदद करने को कहा गया है।

प्रोफेसर ही निकला पेपर लीक का मास्टरमाइंड

सील को तोड़े बिना एंडोस्कोपी कैमरे से चुराया पेपर, छात्रों को बेचा

रायपुर, एजेंसी। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय (आईजीकेवी) की बीएससी कृषि द्वितीय वर्ष, द्वितीय सेमेस्टर के कीट विज्ञान (एंटोमोलॉजी) विषय का प्रश्नपत्र लीक करने के मामले में पुलिस ने एक प्रोफेसर सहित छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। मामले में दो आरोपित अभी फरार हैं। सभी को दो दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया है। जांच में सामने आया है कि मुख्य आरोपित भारती एग्रीकल्चर कालेज, दुर्ग के प्रोफेसर योगेश सोनकेसरिया ने लिफाफे की सील खोले बिना एंडोस्कोपिक कैमरे की मदद से प्रश्नपत्र का वीडियो बनाया फिर उसे नोट करके छात्रों तक पहुंचाया।

पुलिस के अनुसार प्रश्नपत्र 11 हजार रुपये में बेचा गया: पुलिस के अनुसार प्रश्नपत्र 11 हजार रुपये में बेचा गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि मामले में मुख्य आरोपित सहित छह लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। जांच जारी है और जो भी लोग संलिप्त पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि प्रोफेसर ने केवल 20 अगस्त को होने वाला एंटोमोलॉजी का प्रश्नपत्र ही लीक नहीं किया था, बल्कि इससे पहले आठ अगस्त को होने वाला पैथोलॉजी का प्रश्नपत्र भी अपने खास छात्रों को उपलब्ध कराया था। हालांकि, उस समय प्रश्नपत्र सार्वजनिक नहीं हुआ था।

प्रश्नपत्र घर ले जाकर बनाया वीडियो

पुलिस के अनुसार योगेश वर्ष 2019 से भारती एग्रीकल्चर कॉलेज में प्रोफेसर है। 17 अगस्त को वह जोरा स्थित कृषि महाविद्यालय से आगामी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लेकर घर गया। पुलिस का दावा है कि उसने लिफाफे की सील से छेड़छाड़ किए बिना उसमें सूक्ष्म छेद कर एंडोस्कोपिक कैमरा अंदर डाला और प्रश्नपत्र की वीडियो रिकॉर्डिंग कर ली। इसके बाद वीडियो देखकर हाथ से प्रश्नपत्र लिखकर छात्रों तक पहुंचाया। एक छात्र अजय ने प्रश्नपत्र की सामग्री कई छात्रों तक पहुंचाई।

परीक्षा से दो घंटे पहले मिली थी सूचना

20 अगस्त को सुबह एजीसीएच-221 की परीक्षा होनी थी। परीक्षा शुरू होने से करीब दो घंटे पहले कवर्धा कृषि महाविद्यालय के ई-मेल पर प्रश्नपत्र लीक होने की सूचना मिली। उसके बाद संबंधित अधिकारियों को इसकी जानकारी दी गई। छात्रों और छात्र प्रतिनिधियों ने वाट्सएप पर प्रश्नपत्र के कुछ प्रश्न प्रसारित होने की सूचना दी। पुष्टि के बाद वरिष्ठ विज्ञानी एवं स्नातक परीक्षा प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. एनआर रंगारे की शिकायत पर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया।

यूपी में निपुण भारत मिशन को धार देंगी शिक्षा चौंपाले, हर ब्लॉक में लगेंगे टीएलएम मेले

लखनऊ, एजेंसी। परिषदीय विद्यालयों में शिक्षा को मजबूत करने के लिए न्याय पंचायत स्तर पर शिक्षा चौपाल और ब्लॉक संसाधन केंद्र स्तर पर टीएलएम (शिक्षण अधिगम सामग्री) मेले आयोजित किए जाएंगे। राज्य परियोजना निदेशक कार्यालय ने सभी बीएसए को इसके लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। शिक्षा चौपाल के जरिए अभिभावकों और समुदाय को निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों से जोड़ने, जबकि टीएलएम मेले के माध्यम से शिक्षकों के नवाचार को बढ़ावा देने की तैयारी है। शिक्षा चौपाल में शिक्षकों, छात्र-छात्राओं, अभिभावकों और जनसमुदाय के बीच संवाद बढ़ाकर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार पर जोर रहेगा। अभिभावकों को निपुण भारत मिशन के लक्ष्य और बच्चों की शिक्षा के दीर्घकालिक महत्व की जानकारी दी जाएगी। बालिकाओं के संरक्षण से संबंधित मुद्दों, बच्चों के नामांकन और नियमित उपस्थिति में सुधार पर भी चर्चा होगी। विद्यालयों में उपलब्ध कराई गई उत्कृष्ट शिक्षण सामग्री जैसे संदर्शिका, प्रिंट रिच सामग्री, गतिविधि पुस्तिका, पुस्तकालय और स्पोर्ट्स सामग्री की जानकारी भी अभिभावकों को दी जाएगी। वहीं टीएलएम मेले में परिषदीय शिक्षक शिक्षण-अधिगम सामग्री का प्रदर्शन करेंगे। मेले का उद्देश्य शिक्षकों के बीच नवाचार और उत्कृष्ट शिक्षण पद्धतियों को बढ़ावा देना है।

सर्वश्रेष्ठ टीएलएम का प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को पुरस्कृत किया जाएगा। निर्देश के मुताबिक शिक्षा चौपाल के आयोजन के लिए प्रति न्याय पंचायत संसाधन केंद्र 10 हजार रुपये और टीएलएम मेले के लिए प्रति विकास खंड 25 हजार रुपये की दर से धनराशि का प्रविधान किया गया है।

मुंबई में बड़ा हादसा, 22 फीट ऊंची गणेश प्रतिमा गिरने से दो लोगों की मौत, पांच घायल

मुंबई, एजेंसी। दक्षिण मुंबई में गणेश की प्रतिमा गिरने से दो लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य लोग घायल हो गए। घायलों में दो बच्चे भी शामिल हैं। प्रतिमा पंडाल में स्थापित करने लिए लाई जा रही थी। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना शनिवार रात करीब 10 बजे भूलेश्वर में जय अंबे चौक के पास कबूतरखाना के पास बलराम मर्चेंट रोड पर हुई। म। हालांकि, गंभीर रूप से चोट लगने से दो लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद मुंबई फायर ब्रिगेड, मुंबई पुलिस, ट्रैफिक पुलिस, 108 एंबुलेंस सेवा और नगर निकाय के वार्ड कर्मचारियों को मौके पर भेजा गया। अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान संकेत नेवशे और बृजेश हेमंत जोशी के रूप में की गई है। पांच घायलों की पहचान वैभव घेनंद, पवन चौरसिया, लावण्या गनेर, दिव्या गनेर और कुणाल काशिद के रूप में की गई है। नगर निकाय के अधिकारियों ने बताया कि सभी घायलों की हालत स्थिर है। मुंबई सहित महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों में 10 दिनों तक चलने वाला गणेशोत्सव सबसे बड़े और सबसे धूमधाम से मनाए जाने वाले त्योहारों में से एक है। इस त्योहार के दौरान भगवान गणपति की प्रतिमाएं पंडालों और घरों में स्थापित की जाती हैं और उनकी पूजा की जाती है। एक दशक से भी अधिक समय से मुंबई में प्रतिमा लाने के लिए भव्य जुलूस आयोजित किए जाते रहे हैं।

ईसाई धर्म अपनाने का डाला दबाव, छत्तीसगढ़ में मतांतरण के आरोप में तीन महिलाएं गिरफ्तार

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के भनपुरी इलाके में घर में प्रार्थना सभा के जरिए मतांतरण कराने के आरोप में पुलिस ने तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता तरेंद्र कुमार वर्मा ने आरोप लगाया है कि महिलाओं ने उस पर ईसाई धर्म अपनाने के लिए दबाव डाला और प्रार्थना से बीमारी व दुख-दर्द दूर होने की बात कही। तीनों महिलाएं उसकी परिचित हैं और उसकी मोबाइल दुकान पर आती-जाती रहती थीं। आरोप है कि उन्होंने हिंदू धर्म को लेकर आपत्तिजनक बातें कहीं। 21 अगस्त को दोपहर तरेंद्र सुषमा कौशिक नामक महिला के घर पहुंचा। यहां करीब 20-25 लोग पहले से प्रार्थना कर रहे थे। आरोप है कि महिलाओं ने उसे भी मतांतरण के लिए कहा, लेकिन उसने इनकार कर दिया। इसी दौरान हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं को इसकी जानकारी मिली। उन्होंने मौके पर पहुंचकर विरोध-प्रदर्शन किया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और 12 लोगों को थाने लेकर आई। शिकायत के आधार पर तीनों महिलाओं के विरुद्ध अपराध दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया। सहायक पुलिस आयुक्त पूर्णिमा लामा ने बताया कि हिंदू संगठनों की शिकायत के बाद मामले की जांच की जा रही है।

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट का बड़ा फैसला, डीपीई डिप्लोमा माध्यमिक शिक्षक नियुक्ति और पदोन्नति के लिए मान्य

जबलपुर, एजेंसी। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की युगलपीठ ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली से प्राप्त दो वर्षीय डीपीई (डिप्लोमा इन प्राइमरी एजुकेशन) को माध्यमिक शिक्षक पद पर नियुक्ति और प्राथमिक शिक्षक से माध्यमिक शिक्षक पद पर पदोन्नति के लिए मान्य योग्यता माना है। कोर्ट ने राज्य शासन की तीन रिट अपीलें खारिज करते हुए एकलपीठ के निर्णय को बरकरार रखा। इससे प्रदेशभर के डीपीई धारक अभ्यर्थियों और शिक्षकों के लिए नियुक्ति एवं पदोन्नति का मार्ग प्रशस्त हुआ है। अभ्यर्थियों की ओर से अधिवक्ता सत्येंद्र ज्योतिषी, अभिषेक मिश्रा, अनुज मिश्रा और अंकित तिवारी ने पैरवी की। विभाग ने उनकी नियुक्ति इस आधार पर निरस्त कर दी थी कि दो वर्षीय डीपीई डिप्लोमा मान्य नहीं है। अभ्यर्थियों की ओर से कोर्ट को बताया गया कि शासन ने 28 फरवरी 2013 के परिपत्र के माध्यम से इग्नू के डीपीई को डीएड, डीएलएड के समकक्ष मान्यता दी थी, जिसे बाद में वापस लेने या समाप्त करने का कोई आधार उपलब्ध नहीं है। कोर्ट ने माना कि इग्नू से प्राप्त दो वर्षीय डीपीई मान्यता प्राप्त व्यावसायिक डिप्लोमा है और निर्धारित योग्यता के लिए इसे समकक्ष माना जाना आवश्यक है। युगलपीठ ने तीनों अपील खारिज कर दी। इस फैसले से डीपीई धारक प्राथमिक शिक्षकों की माध्यमिक शिक्षक पद पर पदोन्नति का रास्ता भी साफ हो गया।

फायर सेफ्टी पर सख्त हुई बंगाल सरकार: कोलकाता के 13 होटल बंद, 50 को नोटिस, दर्जनों रडार पर

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल सरकार ने शुक्रवार को सेंट्रल कोलकाता के 13 होटलों को बंद कर दिया है। साथ ही 16 होटलों को खाली करने का आदेश दिया गया है और शहर भर के 50 होटलों और विभिन्न जिलों के 29 होटलों को अग्नि सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने के आरोप में शो-कॉज नोटिस जारी किए गए हैं। यह कार्रवाई बुधवार को सेंट्रल कोलकाता के शिखा इन होटल में हुई भीषण आग के तीन दिन बाद हुई है, जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई थी। इनमें बांग्लादेशी नागरिक भी शामिल थे। इससे पहले सोमवार को बीरभूम जिले के तारापीठ में एक होटल में आग लगने से नौ लोगों की मौत हो चुकी थी। राज्य अग्निशमन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सेंट्रल कोलकाता के कम से कम 16 होटलों को अग्नि सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने के कारण बंद करने को कहा गया है। गुरुवार से कोलकाता के 50 से अधिक होटलों को शो-कॉज नोटिस जारी किए गए हैं। ये होटल मुख्य रूप से मिर्जा गालिब स्ट्रीट, मार्क्विस स्ट्रीट और एसएन बनर्जी रोड पर स्थित हैं। अधिकारियों के अनुसार, कई होटल बिना अग्नि लाइसेंस के चल रहे थे या उनके लाइसेंस चार-पांच साल पहले समाप्त हो चुके थे।

आपातकालीन निकास बंद थे, वेंटिलेशन की कमी थी, फ्लोर प्लान बदले गए थे और अनुमति से ज्यादा बिजली का इस्तेमाल हो रहा था।

राज्य अग्नि मंत्री कौशिक चौधरी ने कहा कि कार्रवाई शुरू हो गई है। कुछ अधिकारियों को भी नोटिस जारी किए गए हैं। शहरी विकास मंत्री अग्निमित्र पॉल ने कहा कि निरीक्षण जारी रहेगा और असुरक्षित होटलों को बंद किया जाएगा। वे 100 होटल बंद करने के बाद भी नहीं रुकेंगे।

यूएस में बड़ी साजिश नाकाम- न्यूयॉर्क कैपिटल को लेकर एफबीआई निदेशक काश पटेल का खुलासा, किस षड्यंत्र पर पानी फिरा

वाशिंगटन, एजेंसी। एफबीआई निदेशक काश पटेल ने शनिवार को कहा कि संघीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने एक आतंकी साजिश नाकाम की है। उन्होंने कहा कि यह न्यूयॉर्क स्टेट कैपिटल को निशाना बनाने की साजिश थी। पटेल के मुताबिक, यह साजिश आईएसआईएस से प्रेरित थी। काश पटेल के मुताबिक, इस साजिश में अल्बानी की 35 साल की एक महिला शामिल थी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। पटेल ने संघीय आतंकवाद रोधी अभियानों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में 640 आतंकी हमलों की साजिशें नाकाम की गईं।

काश पटेल ने सोशल मीडिया पोस्ट में क्या लिखा: उन्होंने एक्स पर लिखा, अमेरिकी जमीन पर एक और संभावित आतंकी हमला नाकाम किया गया।

35 साल की अल्बानी की एक महिला पर न्यूयॉर्क स्टेट कैपिटल को निशाना बनाने का आरोप है। उसने आईएसआईएस से प्रेरित हमले की साजिश रची थी। यह उन खतरों में से सिर्फ एक है, जिनका संघीय कानून प्रवर्तन सामना कर रहा है।

ईरान की अमेरिका को दो-टूक: रवैया बदलो तभी खुलेगा होर्मुज, पड़ोसी देशों को दी धमकी

तेहरान, एजेंसी। ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एसएनएससी) के सचिव मोहसिन रेजाई ने शनिवार (स्थानीय समय) को दावा किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य अभी भी बंद है। उन्होंने कहा कि अमेरिका जब तक अपनी जिम्मेदारियां पूरी नहीं करता और अपना रवैया नहीं बदलता, तब तक इसे दोबारा नहीं खोला जाएगा। समाचार एजेंसी आईआरआईबी को दिए इंटरव्यू में रेजाई ने कहा, अमेरिका के दावों के बावजूद होर्मुज जलडमरूमध्य बंद है। अमेरिका का रवैया ठीक करने तक यह नहीं खुलेगा। उन्होंने आगे कहा, इस बार अमेरिका को पहले अपनी जिम्मेदारियां पूरी करनी होंगी।

अमेरिका की रणनीति पर क्या बोले रेजाई: रेजाई ने आरोप लगाया कि वाशिंगटन ने सैन्य विकल्पों की उम्मीद छोड़ दी है। अब वह ईरान पर आर्थिक दबाव बनाने पर निर्भर है। उन्होंने कहा, सैन्य हमलों से अमेरिकी पूरी तरह निराश हैं। उन्हें लगता है कि आर्थिक नाकेबंदी के जरिये सैन्य कार्रवाई में मदद की जा सकती है। उन्होंने दावा किया कि इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भरोसा दिलाया है कि आर्थिक नाकेबंदी से ईरान आत्मसमर्पण कर देगा। रेजाई ने कहा, नेतन्याहू ने ट्रंप से वादा किया है कि अगर वह ईरान पर छह महीने या दो से तीन महीने तक आर्थिक नाकेबंदी लगाते हैं, तो ईरान आत्मसमर्पण कर देगा। रेजाई ने यह भी दावा किया कि अमेरिका अपने सहयोगियों की मदद पर निर्भर है। उन्होंने कहा, ट्रंप अकेले हैं और उन्हें नाटो और अपने सहयोगियों की मदद चाहिए। उन्होंने कहा कि ईरान ने प्रतिबंधों से बचने के तरीके विकसित कर लिए हैं। इससे वह तेल बेचता रह सकता है। उन्होंने कहा, ईरान ने वर्षों के दौरान प्रतिबंधों से बचना और तेल बेचना सीख लिया है।

ईरान युद्ध खत्म करना चाहता है

रेजाई ने दोहराया कि ईरान पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को खत्म करना चाहता है। उन्होंने कहा कि ईरान युद्ध चाहने वालों के खिलाफ खड़ा है। उन्होंने कहा, ईरान पश्चिम एशिया में युद्ध खत्म करना चाहता है और दुनिया के युद्ध भड़काने वालों के खिलाफ खड़ा है। रेजाई ने कहा, हर घर आर्थिक युद्ध शुरू करने की जगह बन सकता है। उन्होंने आगे कहा, ईरानी युवाओं को अर्थव्यवस्था में उतरना चाहिए। हर मोहल्ला आर्थिक युद्ध के लिए मिसाइल बेस बन सकता है। रेजाई ने अमेरिका की आर्थिक चुनौतियों का भी जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि ट्रंप के राष्ट्रपति रहने के दौरान अमेरिका का कर्ज बढ़ा है।

होर्मुज पर अधिकार को लेकर क्या कहा: रेजाई ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को संभालने का अधिकार ईरान के पास है। उन्होंने इसके लिए फारस की खाड़ी में ईरान की लंबी तटरेखा का हवाला दिया। उन्होंने कहा, फारस की खाड़ी के 50 प्रतिशत से ज्यादा तट पर ईरान का अधिकार है। इसलिए होर्मुज जलडमरूमध्य का प्रबंधन हमें ही करना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि ईरान अपना बचाव करेगा। वह अमेरिका को ईरानी क्षेत्र तक पहुंचने की अनुमति नहीं देगा। रेजाई ने कहा, हम पूरी ताकत से ईरान की रक्षा करेंगे और अमेरिकियों को ईरान तक पहुंचने की अनुमति नहीं देंगे।

अमेरिका पर कनाडा का पलटवार 8 सितंबर से लगाएगा जवाबी टैरिफ, पीएम मार्क ने किया एलान

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने शनिवार को कहा कि उनका देश 8 सितंबर से अमेरिका से आने वाले सामान पर जवाबी शुल्क (टैरिफ) लगाएगा। इससे पहले अमेरिका ने करीब 20 अरब अमेरिकी डॉलर कीमत के कनाडाई सामान पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया था। दोनों देशों के बीच इस व्यापारिक विवाद को बातचीत से खत्म करने की आखिरी कोशिश भी शुक्रवार देर रात वाशिंगटन में नाकाम हो गई। कनाडाई प्रधानमंत्री ने क्या कहाः प्रधानमंत्री कार्नी ने कहा कि अमेरिका कनाडा के सामान पर जितने डॉलर का टैरिफ लगाएगा, कनाडा भी उतने ही डॉलर के जवाबी टैरिफ अमेरिकी सामानों पर लगाएगा। यह टैरिफ इस्पात, डेयरी उत्पाद, घरेलू उपकरण, खेती में इस्तेमाल होने वाली मशीनें, कागज बनाने का कच्चा माल और कागज व इलेक्ट्रॉनिक सामान पर लगाया जाएगा। किन-किन खास उत्पादों पर टैरिफ लगेगा, इसकी जानकारी आने वाले दिनों में जारी की जाएगी। क्या अमेरिका की मांगों से बिगड़ी बातः कार्नी ने ओटावा में यह भी बताया कि कनाडा इस्पात, एल्युमिनियम और कारों पर लगाए गए अपने बाकी जवाबी टैरिफ हटाने के लिए तैयार था। लेकिन इसके लिए अमेरिका को अपने लगाए टैरिफ में बड़ी कटौती करनी थी। कनाडा अमेरिकी शराब की बिक्री दोबारा शुरू करने के लिए अपने प्रांतों को प्रोत्साहित करने के लिए तैयार था। लेकिन अमेरिकी की आखिरी मांगें बहुत ज्यादा थीं। कनाडाई पीएम ने कहा, उन्होंने बहुत ज्यादा मांगा और बदले में बहुत कम दिया।

इस्राइल को हथियार सप्लाई पर भड़का ईरान: फ्रांस और ब्रिटेन को दी दोटूक चेतावनी, बोला- यह अपराधों में भागीदारी

तेहरान, एजेंसी। ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने इस्राइल को हथियार और अन्य समर्थन देने को लेकर फ्रांस और च की आलोचना की है। उनकी टिप्पणी 102 पूर्व ब्रिटिश और फ्रांसीसी राजनयिकों की उस अपील के बाद आई, जिसमें दोनों देशों से इस्राइल पर ठोस दबाव बनाने, हथियारों की आपूर्ति और सैन्य सहयोग रोकने, बस्तियों से जुड़े व्यापार पर प्रतिबंध लगाने तथा अंतरराष्ट्रीय अदालतों के फैसलों को लागू करने की मांग की गई है। राजनयिकों ने वेस्ट बैंक में बस्तियों के विस्तार, घरों को गिराए जाने और बसने वालों की हिंसा को लेकर गंभीर चिंता जताई है।

लंदन और पेरिस को 'चिंता' के पीछे नहीं छिपना चाहिए: ब्रिटिश और फ्रांसीसी पूर्व राजनयिकों की उस अपील के जवाब में, जिसमें उन्होंने अपनी सरकारों से फलस्तीन में अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करने का आग्रह किया था, गरीबाबादी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, लंदन और पेरिस को इस स्थिति में सिर्फ चिंता व्यक्त करने की बात कहकर पीछे नहीं छिपना चाहिए। उस शासन को हथियार भेजना और किसी भी तरह का समर्थन देना, जायोनी शासन द्वारा किए जा रहे अपराधों में सहयोग और भागीदारी का जानबूझकर किया गया फैसला है।

100 से अधिक पूर्व राजनयिकों ने उठाई आवाज़: गरीबाबादी की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब 100 से अधिक अनुभवी ब्रिटिश और फ्रांसीसी राजनयिकों ने अपनी-अपनी सरकारों को चेतावनी दी है कि इस्राइल की नीतियां जातीय सफाए और फलस्तीन को खत्म करने की दिशा में बढ़ रही हैं। उन्होंने लंदन और पेरिस से ठोस कदम उठाने की मांग की है। इनमें हथियारों की आपूर्ति रोकना, इस्राइली बस्तियों के साथ व्यापार पर प्रतिबंध लगाना और हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय अदालतों के फैसलों को लागू करना शामिल है। गरीबाबादी ने एक्स पर एक अन्य पोस्ट में लिखा, 100 से अधिक अनुभवी ब्रिटिश और फ्रांसीसी राजनयिकों ने अपनी सरकारों को चेतावनी दी कि जायोनी शासन की नीति 'जातीय सफाए' और 'फिलिस्तीन को खत्म करने' की ओर बढ़ रही है। उन्होंने लंदन और पेरिस से हथियारों की आपूर्ति रोकने, बस्तियों के साथ व्यापार पर प्रतिबंध लगाने और हेग अदालतों के फैसलों को लागू करने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की।

102 पूर्व राजनयिकों ने इस्राइल पर प्रतिबंध लगाने की मांग की: अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, गरीबाबादी की यह टिप्पणी 102 पूर्व फ्रांसीसी और ब्रिटिश राजनयिकों के एक समूह द्वारा अपनी सरकारों से संयुक्त रूप से इस्राइल पर प्रतिबंध लगाने की मांग किए जाने के बाद आई है। इन राजनयिकों ने चेतावनी दी कि कब्जे वाले फलस्तीनी इलाकों में इस्राइल की नीतियां भविष्य में फलस्तीनी राज्य के गठन की संभावना के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रही हैं।

'अंतरराष्ट्रीय कानून और समान अधिकारों' की पैरवी: अल जजीरा के अनुसार, फ्रांसीसी अखबार 'ले मोंडे' में प्रकाशित एक खुले पत्र में पूर्व राजनयिकों ने फ्रांस और यूनाइटेड किंगडम से फलस्तीन में अंतरराष्ट्रीय कानून को बनाए रखने के लिए मिलकर काम करने और इस्राइलियों तथा फलस्तीनियों के लिए समान अधिकारों की वकालत करने का आग्रह किया। इस पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में संयुक्त राष्ट्र में ब्रिटेन के पूर्व राजदूत जेरेमी ग्रीनस्टॉक और एमीर जोन्स पैरी के साथ-साथ मध्य पूर्व के लिए फ्रांस के पूर्व निदेशक यवेस औबिन डी ला मेसुजएिर और डेनिस बाउचार्ड भी शामिल हैं।

व्यापार और सैन्य सहयोग रोकने की मांग

अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्व राजनयिकों ने फ्रांस और च से इस्राइल के साथ व्यापार समझौतों को निलंबित करने, हथियारों की आपूर्ति और सैन्य सहयोग रोकने, इस्राइली बस्तियों के साथ व्यापार पर प्रतिबंध लगाने तथा नागरिकों को कब्जे वाली फलस्तीनी जमीन पर संपत्ति खरीदने से रोकने का आग्रह किया है।

गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाने पर जोर

पत्र में दोनों सरकारों से यह सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया गया है कि हऋङ्क सहित संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों के माध्यम से गाजा तक मानवीय सहायता पहुंचती रहे। कानून तोड़ने पर सजा देने वाली ये कार्रवाइयां कानून के शासन की रक्षा करती हैं। और दिखाती हैं कि हिंसा का एक विकल्प भी मौजूद है।

भविष्य के फिलिस्तीनी राज्य को लेकर भी अपील

अल जजीरा के अनुसार, पत्र में फिलिस्तीनी नेतृत्व से यह सुनिश्चित करने का भी आह्वान किया गया है कि भविष्य का फलस्तीनी राज्य लोकतांत्रिक और कानून का पालन करने वाला बना रहे। साथ ही, आगामी चुनावों को राजनीतिक बदलाव के एक अवसर के रूप में रेखांकित किया गया है।

जिला सहकारी बैंक के कर्मचारियों को साइबर फ्रॉड से बचाव की ट्रेनिंग, गबन रोकने पर जोर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला सहकारी बैंक के अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यकुशलता बढ़ाने तथा बैंकिंग व्यवस्था को अधिक सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से होटल आद्या में एक दिवसीय ऑन-लोकेशन कार्यशाला आयोजित की गई कार्यशाला का मुख्य विषय कोर बैंकिंग सॉल्यूशन (CBS) में गबन, धोखाधड़ी, केस स्टडी और उसके निवारण से जुड़े उपाय रहा कार्यशाला में बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों को डिजिटल एवं तकनीकी बैंकिंग में होने वाली धोखाधड़ी के विभिन्न तरीकों की जानकारी दी गई साथ ही बैंकिंग लेन-देन को सुरक्षित रखने के लिए सतर्कता आधारित उपाय अपनाने पर जोर दिया गया। विशेषज्ञों ने CBS प्रणाली के माध्यम से होने वाले आधुनिक वित्तीय गबन और साइबर फ्रॉड के विभिन्न तौर-तरीकों के बारे में विस्तार से बताया बैंकिंग प्रणाली की संभावित कमजोरियों, संदिग्ध गतिविधियों की पहचान और वित्तीय लेन-देन के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों पर चर्चा की गई प्रशिक्षण के दौरान पूर्व में सामने आए वास्तविक बैंकिंग गबन और धोखाधड़ी के मामलों की केस स्टडी भी प्रस्तुत की गई। इनके विश्लेषण के माध्यम से कर्मचारियों को बताया गया कि बैंकिंग प्रक्रियाओं में छोटी सी लापरवाही भी बड़े वित्तीय जोखिम का कारण बन सकती है ऐसे मामलों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रत्येक स्तर पर सतर्कता और निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन जरूरी है।

पासवर्ड और यूजर आईडी साझा नहीं करने की सलाह: कार्यशाला में आंतरिक जांच एवं नियंत्रण व्यवस्था को मजबूत करने, पासवर्ड की सुरक्षा, यूजर आईडी और पासवर्ड किसी अन्य व्यक्ति के साथ साझा नहीं करने तथा दैनिक वित्तीय मिलान करने जैसे उपायों पर विशेष जोर दिया गया कर्मचारियों को बैंकिंग नियमों और निर्धारित प्रक्रियाओं का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए। संदिग्ध गतिविधि, अनियमितता या संभावित धोखाधड़ी सामने आने पर तत्काल संबंधित अधिकारियों को सूचना देने के लिए भी कहा गया। प्रशिक्षण के दौरान कर्मचारियों को सुरक्षित बैंकिंग व्यवस्था के लिए जिम्मेदारी और सतर्कता के साथ कार्य करने का संकल्प दिलाया गया।

स्थानीय उत्पादों से सजा राखी मेला, महिला समूहों के हुनर को मिला बाजार

विधायक रीती पाठक ने किया शुभारंभ, बोलीं- स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना आत्मनिर्भर सीधी की मजबूत नींव

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राखी पर्व को स्थानीयता, महिला उद्यमिता और आत्मनिर्भरता से जोड़ते हुए ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा मानस भवन में तीन दिवसीय राखी मेले का आयोजन किया जा रहा है मेले का शुभारंभ विधायक रीती पाठक ने किया। 23 से 25 अगस्त तक चलने वाले मेले में जिले के महिला स्व-सहायता समूहों और स्थानीय उद्यमियों द्वारा तैयार उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री की जा रही है मेले की थीम 'स्थानीय उत्पाद, स्थानीय पहचान, आत्मनिर्भर सीधी की शान 'रखी गई है शुभारंभ अवसर पर विधायक रीती पाठक ने विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया और महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार उत्पादों की जानकारी ली उन्होंने महिलाओं से संवाद कर उत्पादों की गुणवत्ता, निर्माण प्रक्रिया और बाजार की संभावनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की उन्होंने महिलाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि स्थानीय उत्पाद किसी क्षेत्र की पहचान और वहां के लोगों के हुनर का प्रतिनिधित्व करते हैं।

स्थानीय उत्पादों को अपनाने की अपील: विधायक रीती पाठक ने कहा कि सीधी की ग्रामीण महिलाओं ने मेहनत और कौशल से ऐसे उत्पाद तैयार किए हैं, जिन्हें बेहतर बाजार मिलने पर वे बड़े स्तर पर अपनी आजीविका का माध्यम बना सकती हैं स्थानीय उत्पाद खरीदना केवल वस्तु खरीदना नहीं बल्कि ग्रामीण महिलाओं की मेहनत और आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करना है उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से महिला समूहों को सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचने का अवसर मिलता है इससे महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ता है और नए बाजार विकसित होने के साथ आय बढ़ाने की संभावनाएं भी मजबूत होती हैं उन्होंने आमजन से राखी मेले में पहुंचकर स्थानीय उत्पादों की खरीदारी करने और महिला समूहों का उत्साह बढ़ाने की अपील की। मेले में विभिन्न क्षेत्रों के महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार विविध उत्पाद प्रदर्शित किए गए हैं। इनमें मिलेट्स और महुआ उत्पाद, देशी अरहर दाल, बांस एवं जूट से बनी सामग्री, हैंडलूम उत्पाद, अचार, मूर्तियां, पंजा दरी, दोना-पत्तल और एलईडी बल्ब शामिल हैं स्थानीय स्तर पर तैयार महुआ लड्डू और महुआ कुकीज भी लोगों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह ने कहा कि महिला स्व-सहायता समूहों ने ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को नई दिशा दी है।

झमाझम बारिश के बावजूद बाणसागर डैम 18' खाली, 48 घंटे में 6.34' बढ़ा पानी

मीडिया ऑडीटर,शहडोल (निप्र)। जिले में लगातार हो रही बारिश के बावजूद बाणसागर डैम अभी पूरी तरह नहीं भर पाया है 23 अगस्त की सुबह 8 बजे की रिपोर्ट के अनुसार जलाशय 82 प्रतिशत भर चुका है, जबकि 18 प्रतिशत हिस्सा अभी खाली है। हालांकि पिछले 48 घंटे में जलस्तर में बढ़ोतरी हुई है 21 अगस्त की दोपहर से 23 अगस्त की सुबह तक डैम का भराव 6.34 प्रतिशत बढ़ा है। 21 अगस्त को दोपहर 12 बजे बाणसागर का जलस्तर 339.28 मीटर और लाइव स्टोरेज 4108.06 मिलियन क्यूबिक मीटर (MCM) दर्ज किया गया था 23 अगस्त सुबह 8 बजे तक जलस्तर बढ़कर 340.05 मीटर और लाइव स्टोरेज 4452.71 [illegible] हो गया इस दौरान करीब 77 सेंटीमीटर जलस्तर बढ़ा और जलाशय में 344.65 [illegible] पानी की वृद्धि हुई।

पानी की आवक में आई कमी: बाणसागर डैम में पानी की आवक पिछले दो दिनों में कम हुई है। 21 अगस्त को दोपहर 12 बजे आवक 3519.43 क्यूमेक्स थी जो 23 अगस्त सुबह 8 बजे घटकर 2152.30 क्यूमेक्स रह गई। यानी करीब 1367 क्यूमेक्स की कमी दर्ज की गई है हालांकि वर्तमान आवक अभी भी डैम से बाहर छोड़े जा रहे पानी से काफी अधिक है। 23 अगस्त को डैम का कुल आउटफ्लो 110.40 क्यूमेक्स दर्ज किया गया इसमें पावर हाउस-III से 103.40 क्यूमेक्स तथा राइट बैंक कैनाल (RBC) और भितरी से एक-एक क्यूमेक्स पानी छोड़ा जा रहा है स्पिलवे और CWC हेड रेगुलेटर से डिस्चार्ज फिलहाल शून्य है डैम के सभी रेडियल गेट बंद हैं। बाणसागर का पूर्ण जलाशय स्तर (FRL) 341.64 मीटर निर्धारित है वर्तमान जलस्तर 340.05 मीटर है, यानी डैम अभी [illegible] से 1.59 मीटर नीचे है इसी वजह से स्पिलवे से पानी छोड़ने की जरूरत नहीं पड़ी है और सभी रेडियल गेट बंद रखे गए हैं।

सिंगरौली में हाईवे पर कोयले से लदा ट्रक पलटा, 2 घंटे जाम

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के देवसर क्षेत्र में रविवार दोपहर कोयले से लदा ट्रक अनियंत्रित होकर सिंगरौली-सीधी नेशनल हाईवे पर पलट गया हादसा करीब 1 बजे हथीओदरा के पास हुआ। ट्रक के पलटने से उसमें भरा कोयला सड़क पर फैल गया जिससे हाईवे पर यातायात पूरी तरह बाधित हो गया देखते ही देखते सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं तेज बारिश के बीच जाम में फंसे बस यात्रियों और वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा करीब दो घंटे तक हाईवे पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित रही। घटना की सूचना मिलते ही जियावन थाना प्रभारी शेषनारायण द्विवेदी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे पुलिस ने क्रेन की मदद से सड़क पर पलटे ट्रक को हटवाया और बिखरे कोयले को साफ कराया करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद दोपहर 3 बजे हाईवे पर यातायात बहाल हो सका।

गड्ढे में भरे पानी से बिगड़ा संतुलन: हादसे में ट्रक चालक तेजराज केवट घायल हुआ चालक के अनुसार वह सुलियरी कोल माइंस से कोयला लेकर सतना जा रहा था रास्ते में सामने से दूसरी गाड़ी आने पर उसे किनारे होना पड़ा बारिश के कारण सड़क के गड्ढे में पानी भरा था जिसका अंदाजा नहीं लग सका और ट्रक का संतुलन बिगड़कर पलट गया पुलिस ने यातायात सुचारू कराकर हादसे की जांच शुरू कर दी है।

रीवा में बाढ़ से बचाव के लिए पुरानी पुलियों को फिर खोलने की मांग, अतिक्रमण हटाने की अपील

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं अधिवक्ता राजेश मिश्रा 'बब्बू भैया' ने रीवा शहर में बाढ़ की समस्या से निपटने के लिए पुराने जल निकासी मार्गों और पुलियों को दोबारा खोलने की मांग की है उन्होंने कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी से अनुरोध किया कि शहर में पानी की निकासी की पुरानी व्यवस्था को बहाल करने के साथ नालों और जल निकासी मार्गों से अतिक्रमण सख्ती से हटाया जाए राजेश मिश्रा ने कहा कि बाढ़ और प्राकृतिक आपदाओं को पूरी तरह रोकना संभव नहीं है, लेकिन जल निकासी के पुराने साधनों को बंद करने और उनके स्थान पर सड़क निर्माण किए जाने से समस्या गंभीर हो सकती है उन्होंने कहा कि करीब 50 वर्ष पहले समान बांध के आसपास पानी निकासी के लिए बनाए गए नालों और रास्तों पर हुए अतिक्रमण को चिह्नित कर हटाने की कार्ययोजना बनाई जानी चाहिए।

पुरानी पुलियों को बंद करने से बढ़ी समस्या: उन्होंने बताया कि नेशनल हाईवे-7 पर नवीन बल्लभ भाई बस स्टैंड से चोरहटा तक पानी निकासी के लिए कई पुलियां बनी थीं। फोरलेन निर्माण के दौरान इनमें से कई पुलियों को बंद कर दिया गया राजेश मिश्रा के मुताबिक गुलाब नगर, रिलायंस पेट्रोल पंप के सामने, गिरीश गौतम के घर के पास और पीके स्कूल के सामने बनी पुलियों को भी बंद किया गया है उनका कहना है कि इन जल निकासी मार्गों के बंद होने से तेज बारिश के दौरान इंद्रानगर, नेहरू नगर, गांधी नगर, बस स्टैंड सहित नदी किनारे की बस्तियों में पानी भरने की समस्या बढ़ जाती है। इससे आम लोगों के साथ प्रशासन को भी राहत और बचाव कार्य में कठिनाई होती है। राजेश मिश्रा ने कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी से पुराने लोगों और जानकारों के साथ बैठक कर शहर की पुरानी जल निकासी व्यवस्था को समझने तथा आवश्यक स्थानों पर पुलियों और नालों को पुनः विकसित करने का निर्णय लेने की अपील की उन्होंने कहा कि अतिक्रमण हटाकर पानी के प्राकृतिक बहाव को बहाल किया जाए तो रीवा शहर को बाढ़ की विभीषिका से काफी हद तक राहत मिल सकती है।

12 घंटे की बारिश में जलभराव, महापौर और डिप्टी सीएम आमने-सामने

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर में महज 12 घंटे की बारिश के बाद कई इलाकों में जलभराव होने से जल निकासी व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं इस मुद्दे को लेकर महापौर अजय मिश्रा बाबा और उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल के बीच आरोप-प्रत्यारोप सामने आए हैं महापौर ने जलभराव के लिए अधूरी जल निकासी योजनाओं और शहर के विकास के दौरान जल प्रवाह के मार्ग प्रभावित होने को जिम्मेदार बताया, जबकि डिप्टी सीएम ने नालों में अवरोध और बीहर नदी के बढ़े जलस्तर को प्रमुख कारण बताया।

महापौर बोले- 2016 के बाद चिन्हित मार्गों पर नहीं हुआ काम: महापौर अजय मिश्रा बाबा के अनुसार 2016 की बाढ़ के बाद मॉनिटरिंग कमेटी गठित कर शहर में जल निकासी के मार्ग और संवेदनशील क्षेत्रों को चिन्हित किया गया था उनका कहना है कि इन क्षेत्रों में प्रस्तावित नालों का निर्माण अब तक पूरा नहीं हो सका इसके चलते ऐसे इलाकों में भी पानी भर गया जहां पहले जलभराव की स्थिति नहीं बनती थी उन्होंने नदी के रेड जोन, पुल-पुलियों के कारण जल प्रवाह के संकरे होने और रिंग रोड निर्माण के प्रभाव को लेकर भी सवाल उठाए।

भाजपा ने महापौर से पूछा- चार साल में क्या किया?: भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता ने जलभराव के लिए सरकार और डिप्टी सीएम को जिम्मेदार ठहराने पर महापौर से सवाल किया उन्होंने कहा कि नगर निगम पिछले चार साल से कांग्रेस महापौर के नेतृत्व में है ऐसे में महापौर को बताना चाहिए कि जल निकासी व्यवस्था सुधारने के लिए इस दौरान क्या कदम उठाए गए।

बेटे के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज होने पर पूर्व सरपंच ने उठाए सवाल, निष्पक्ष जांच की मांग

मीडिया ऑडीटर, रीवा/मऊगंज (निप्र)। ग्राम पंचायत खटखरी, जनपद पंचायत नईगढ़ी की पूर्व सरपंच निर्मला जायसवाल ने अपने इकलौते पुत्र आयुष जायसवाल के खिलाफ दर्ज हत्या के मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है उन्होंने पुलिस अधीक्षक मऊगंज और रीवा जोन के आईजी को आवेदन देकर मामले की जांच कर उनके पुत्र का नाम प्रकरण से हटाने की मांग की है। निर्मला जायसवाल ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में आरोप लगाया कि 21 अगस्त को खटखरी गांव निवासी 25 वर्षीय आकाश जायसवाल की पूर्व विवाद के चलते सनी नारायण जायसवाल ने चाकू से हमला कर हत्या कर दी थी उनके अनुसार घटना की जानकारी ग्रामीणों से हल्ला-गुहार सुनने के बाद मिली उन्होंने दावा किया कि घटना के समय उनका पुत्र आयुष मौके पर मौजूद नहीं था। निर्मला जायसवाल के मुताबिक आयुष 21 अगस्त को दोपहर करीब 12 बजे घर से बीएससी प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने के लिए शासकीय केदारनाथ स्मृति महाविद्यालय, मऊगंज गया था उन्होंने बताया कि प्रवेश फॉर्म जमा करने के बाद आयुष करीब 1:30 बजे तक कॉलेज परिसर में मौजूद था उनकी ओर से दावा किया गया है कि कॉलेज में लगे [illegible] कैमरों की रिकॉर्डिंग में उसकी मौजूदगी स्पष्ट दिखाई देती है। उन्होंने यह भी बताया कि कॉलेज से निकलने के बाद आयुष मऊगंज बायपास स्थित शर्मा कैफे गया था वहां लगे CCTV कैमरों में भी उसकी मौजूदगी रिकॉर्ड होने की बात कही गई है इसके बाद वह करीब 3 बजे घर वापस पहुंचा।

मोबाइल लोकेशन जांच की मांग: पूर्व सरपंच ने पुलिस से आयुष के मोबाइल फोन की लोकेशन और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की भी जांच कराने की मांग की है उनके अनुसार घटना के दिन आयुष के पास मोबाइल फोन था जिसमें एयरटेल की सिम लगी थी उन्होंने कहा कि मोबाइल नंबर की लोकेशन और कॉल डिटेल की जांच से घटना के समय उसकी वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकती है निर्मला जायसवाल ने पुलिस प्रशासन से CCTV फुटेज, मोबाइल लोकेशन और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

त्योंथर के बाढ़ प्रभावित इलाकों में पहुंचे देवेंद्र सिंह, तत्काल राहत की मांग

मीडिया ऑडीटर, त्योंथर (निप्र)। लगातार हो रही बारिश के कारण त्योंथर विधानसभा क्षेत्र के कई इलाकों में बाढ़, जलभराव और मकानों को नुकसान पहुंचने की स्थिति बनी हुई है। रविवार को बसपा से विधानसभा प्रत्याशी रहे देवेंद्र सिंह ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और मौके पर हालात का जायजा लिया। देवेंद्र सिंह ने त्योंथर नगर पंचायत, राजापुर, तुलसीपुरवा और मझिगवां ग्राम पंचायत के ककरहा टोला पहुंचकर प्रभावित परिवारों से मुलाकात की उन्होंने लोगों से बातचीत कर बारिश और जलभराव से उत्पन्न समस्याओं की जानकारी ली ग्रामीणों ने बताया कि लगातार बारिश के कारण कई परिवारों के सामने मकान और घरेलू सामान की सुरक्षा का संकट खड़ा हो गया है आवागमन, भोजन और सुरक्षित रहने की व्यवस्था को लेकर भी लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है । मझिगवां पंचायत के ककरहा टोला में बारिश के बाद करीब एक दर्जन मकानों के क्षतिग्रस्त अथवा ढहने की सूचना सामने आई मौके पर पहुंचे देवेंद्र सिंह ने प्रभावित परिवारों से उनकी परेशानियां जानीं और प्रशासन से तत्काल राहत पहुंचाने की मांग की उन्होंने संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों से दूरभाष पर चर्चा कर प्रभावित परिवारों की स्थिति से अवगत कराया साथ ही मांग की कि राजस्व एवं प्रशासन की टीमों को प्रभावित क्षेत्रों में भेजकर नुकसान का तत्काल सर्वे कराया जाए क्षतिग्रस्त या पूरी तरह ढह चुके मकानों का प्राथमिकता के आधार पर पंचनामा तैयार कर नियमानुसार आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की देवेंद्र सिंह ने कहा कि जिन परिवारों के पास रहने के लिए सुरक्षित स्थान नहीं है, उनके लिए तत्काल अस्थायी आवास या सुरक्षित आश्रय की व्यवस्था की जाए।

सतना स्टेशन रोड पर 'ओपन बार' से लोग परेशान, शराबियों के जमावड़े से बढ़ी मारपीट की घटनाएं

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शहर के स्टेशन रोड स्थित महामाया होटल के पास शराब दुकान के आसपास खुलेआम शराबखोरी की गतिविधियों से स्थानीय रहवासी और राहगीर परेशान हैं। लोगों का आरोप है कि शराब दुकान के आसपास ठेलों पर अवैध रूप से शराब पिलाने का सिलसिला चल रहा है। सुबह से देर रात तक यहां लोगों का जमावड़ा रहता है जिसके चलते आए दिन विवाद और मारपीट की घटनाएं सामने आ रही हैं स्थानीय लोगों के मुताबिक शनिवार को भी एक व्यक्ति के साथ सरेराह मारपीट की घटना हुई घटना के बाद क्षेत्र के लोगों में नाराजगी है रहवासियों का कहना है कि शराबखोरी के कारण स्टेशन रोड जैसे व्यस्त इलाके में असुरक्षा का माहौल बना हुआ है।

सुबह 4 बजे से खुलने लगते हैं ठेले: स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि शराब दुकान के आसपास कई ठेले संचालित होते हैं जहां खुलेआम लोगों को शराब पिलाई जाती है उनका दावा है कि कुछ ठेले सुबह करीब 4 बजे ही खुल जाते हैं इन स्थानों पर कथित तौर पर अवैध रूप से शराब बेचने और पिलाने का काम भी किया जाता है। इसका असर सुबह की सैर पर निकलने वाले लोगों और महिलाओं पर भी पड़ रहा है नागरिकों का कहना है कि सुबह के समय शराब के नशे में मौजूद लोगों के कारण उन्हें असहज स्थिति का सामना करना पड़ता है स्थानीय लोगों ने प्रशासन से क्षेत्र में नियमित निगरानी और अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने की मांग की है।

कार्रवाई के बाद भी नहीं बदले हालात: रहवासियों के अनुसार कुछ दिन पहले पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक ठेले से शराब जब्त की थी इसके बावजूद लोगों का कहना है कि आसपास शराब पिलाने का सिलसिला बंद नहीं हुआ और स्थिति पहले जैसी बनी हुई है स्थानीय नागरिकों ने आरोप लगाया कि प्रभावी कार्रवाई के अभाव में ठेले संचालकों और असामाजिक तत्वों में पुलिस का भय कम होता जा रहा है लोगों ने पुलिस और आबकारी विभाग से शराब दुकान के आसपास संचालित ठेलों की जांच करने, अवैध शराब की बिक्री व सार्वजनिक स्थानों पर शराबखोरी पर रोक लगाने तथा मारपीट की घटनाओं पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

सीधी जिला अस्पताल में दो दिवसीय नि:शुल्क कैंसर जांच शिविर संपन्न, 83 संभावित मरीज चिन्हित

350 से अधिक मरीजों की हुई जांच, आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र मरीजों को मिलेगा नि:शुल्क उपचार

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला प्रशासन और शैल्बी हॉस्पिटल जबलपुर के संयुक्त तत्वावधान में जिला चिकित्सालय सीधी में आयोजित दो दिवसीय नि:शुल्क कैंसर जांच एवं जागरूकता शिविर रविवार को संपन्न हुआ। 22 और 23 अगस्त को आयोजित शिविर में 350 से अधिक मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया इनमें 189 मरीजों की विशेष कैंसर स्क्रीनिंग की गई, जिसमें 83 मरीजों को संभावित कैंसर के लक्षणों के आधार पर आगे की जांच के लिए चिन्हित किया गया शिविर का उद्देश्य कैंसर के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के साथ बीमारी की प्रारंभिक अवस्था में पहचान करना और समय पर उपचार उपलब्ध कराना था शिविर के प्रथम दिवस का शुभारंभ विधायक सीधी रीती पाठक तथा दूसरे दिन का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह ने किया।

विशेषज्ञ चिकित्सकों ने की स्क्रीनिंग: शिविर में ऑन्को सर्जन डॉ. प्रशांत जैन, कैंसर विशेषज्ञ डॉ. संजय जैन और डॉ. अंकित जैन ने मरीजों की स्क्रीनिंग और स्वास्थ्य जांच की विशेषज्ञ चिकित्सकों ने लोगों को कैंसर के शुरुआती लक्षणों की पहचान, समय पर जांच कराने और उपचार शुरू करने के महत्व की जानकारी दी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार खरे के निर्देश और जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन डॉ. एसबी खरे के मार्गदर्शन में शिविर का संचालन किया गया। डॉ. हिमेश पाठक, डॉ. आशीष विवेक भारती, डॉ. हरिओम सिंह और डॉ. सुनीता तिवारी ने भी शिविर की व्यवस्थाओं में सहयोग किया जिला प्रशासन की ओर से डिप्टी कलेक्टर स्वर्णा दीवान ने शिविर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं और संचालन की निगरानी की पंचायत एवं स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से बड़ी संख्या में महिलाओं को भी शिविर में शामिल किया गया मरीजों और उनके परिजनों के लिए दीनदयाल रसोई में भोजन की व्यवस्था की गई।

मिठास की खटास

संपादकीय

हाल के दिनों में बाजारों में चीनी की कीमतों में अप्रत्याशित उछाल देखा गया है। वहीं चीनी की कालाबाजारी की आशंका के मद्देनजर सरकार ने इसकी बिक्री का नियमन भी किया है। साथ ही सरकार ने बिना टैक्स दस लाख टन कच्ची चीनी के आयात की इजाजत देने का भी फैसला किया है। लेकिन सरकार का यह फैसला शायद ही बढ़ती कीमतों का जवाब हो। निस्संदेह, यह परिदृश्य सरकार के लिये उसकी महत्वाकांक्षी इथेनॉल नीति की असलियत को समझने का एक अवसर भी है। पूरे देश में इथेनॉल मिश्रित ई-20 पेट्रोल की बिक्री व्यवस्था लागू करने का जश्न मनाने के दो साल से भी कम समय में सरकार अब दो परस्पर विरोधी जरूरतों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रही है। पहला, देश की विदेशी मुद्रा बचाने के लिये कच्चे तेल के आयात को कम करना और दूसरा उपभोक्ताओं के लिये सस्ती चीनी उपलब्ध कराना। निस्संदेह,यह घटनाक्रम एक नीतिगत दुविधा को तो दर्शाता है कि जब एक ही फसल का इस्तेमाल खाद्य पदार्थ और ईंधन, दोनों के लिये किया जाता है, तो किसी एक लक्ष्य को दूसरे से अलग रखकर पूरा नहीं किया जा सकता है। निस्संदेह, ऐसे वक्त में जब खाड़ी संकट के चलते पूरी दुनिया में पेट्रोलियम पदार्थों का संकट व्याप्त रहा, इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल ने देश के नागरिकों व सरकार को बड़ी राहत दी है। इसमें दो राय नहीं कि निर्धारित समय सीमा से पहले ही बीस फीसदी इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल का लक्ष्य हासिल करके, भारत ने आयातित कच्चे तेल पर अपनी निर्भरता को कुछ कम जरूर किया है। वहीं दूसरी ओर सरकार की इस अभिनव पहल से जहां एक ओर चीनी मिलों को सहारा मिला है,वहीं गन्ना किसानों के लिये कमाई का एक अतिरिक्त जरिया भी बना है। निश्चित रूप से उस देश के लिये यह एक उपलब्धि ही कही जा सकती है जो अपनी जरूरतों के लिये 85 फीसदी कच्चे तेल का आयात करता रहा है। वह भी अपने देश में उपलब्ध वैकल्पिक संसाधनों के जरिये। इसके बावजूद राजग सरकार की इस रचनात्मक पहल की कुछ बुनियादी खामियां भी हमारे सामने उजागर हुई हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि गन्ना भारत में सबसे ज्यादा पानी की खपत करने वाली फसलों में से एक है। वहीं दूसरी ओर इथेनॉल के उत्पादन के लिये गन्ने का इस्तेमाल ऐसे समय में शुरू हुआ है जब देश के प्रमुख गन्ना उत्पादक राज्यों में शुमार महाराष्ट्र और कर्नाटक में पैदावार खराब मौसम और गन्ने की फसल पर लगी बीमारियों के चलते कमजोर रही है। यह भी एक वजह है कि गन्ना आपूर्ति में आई कमी के चलते भी हाल के दिनों में चीनी की कीमतों में तेजी देखी गई है। जिसके चलते सरकार को चीनी का निर्यात रोकना पड़ा है। इतना ही नहीं, सरकार को आसन्न त्योहारी मौसम को देखते हुए अब कच्ची चीनी के आयात को अनुमति देनी पड़ी है। निस्संदेह, इन परिस्थितियों के मद्देनजर यह नहीं कहा जा सकता कि देश में इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल का प्रयोग विफल हो गया है। बल्कि यह समझने की जरूरत है कि देश की कृषि संबंधी वास्तविकताओं और दुनिया की सबसे बड़ी आबादी की खाद्य जरूरतों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। आज जरूरत इस बात की है कि देश में एक लचीली जैव ईंधन रणनीति को तार्किक बनाया जाए। जिसे फसलों की स्थितियों और घरेलू खाद्य जरूरतों के अनुरूप ढाला जा सके।

धौलाधार के आंगन में बसंत उगाते हैं हंसराज भारती

निर्मल असो

कवि हंसराज भारती अपने प्रश्नों से मुखातिब, परिवेश से हासिल और अनुभवों के खातिर कविताओं के हुजूम के साथ चलते हुए साठ रचनाओं का एक नया संसार 'इस तपती धूम में' कई किनारों पर उगी धूप-उगी भूख को छू रहे हैं। कविताओं में जैसे कोई बसंत उग आया हो, नारंगी सायों में जैसे धूप की छाया हो। कविता की व्याख्या में हंसराज भारती आकाश, हवा, पौधों, मिट्टी, पानी की बूंदों, नदी के बहाव-झील के ठहराव, परंपराओं के आगोश, इनसानी फितरत के दोष को महसूस करते हैं, 'रिमझिम बूंदों के साथ/एक दर्द सा रिसने लगता है/एक कविता भीगने लगती है/जो कुछ सूखा था/नम-नम सा हो जाता है।' ये पहाड़ की कविताएं हैं, जो बसंत में फूलों की महक, पंछियों की चहक और ऋतुओं के अक्स थामे आगे बढ़ जाती हैं। धौलाधार के कई आंगन, विरासत के कई महल, भविष्य के कई फलक और पेड़ों के झुरमुट के नीचे हौले-हौले मुस्कान को अंगीकार करती बेचैनियां, लंबी सी नदी के पर्वतीय हिस्से, सृजन की ताकत, परिवेश से संतुलन बनाने की दिनचर्या और महफूज पर्यावरण को निहारते सबब, 'उन नदियों की कहानी/होना चाहूंगा जो एक/पतली सी धारा के रूप में/निकलती हैं पहाड़ के सीने से और फिर धीरे-धीरे/काटते-चीरते हुए सारे तटबंध/अपना रास्ता और पहचान बनाती हैं।' सर्दियों में सूखती नदी की आहट सरीखी हैं उनकी कलम, जो पेड़ों पर प्रहार करती कुल्हाड़ियों, आरियों और दरातों की धार से घायल होकर भी अपनी नोंक पर जमाने से रूबरू है, 'जहां भी गाड़ोगे/वहीं पर जमा लूंगा जड़ें/फिर से कोंपलें सजाऊंगा/फिर से हरा-भरा हो जाऊंगा, फैलूंगा-फूलूंगा/बसंत का साथ निभाऊंगा।' कवि के मन में शिकायतों के ज्वारभाटे, 'जिधर देखो, उधर/बेपनाह भीड़ है, शोर है/आदमी में से आदमी गुम है/दाएं हाथ को बाएं का पता नहीं/सुबह में शाम का मुगालता है', लेकिन आशावाद का साहस, संपन्नता, पवित्रता और मूल्यांकन भी है, 'उतर जाएगी तब/धूप की सारी अकड़/सूखे की सूखी, सूनी चादर/मन आंगन में जमीं धूल/बारिश जब बरसेगी/तो लौटेगी/पिता की आंखों की/खोई चमक।' समय के चक्र में और संवेदना के मरहम में कवि आत्मचिंतन की पहरेदारी में कई चट्टानों-कई दीवारों को लांघ कर पूछते हैं, 'बहुत कुछ ढहता है/आदमी में से आदमी की/गैर हाजिरी पर/बहुत कुछ बिखर बिखर जाता है, जोर, जुल्म की बह रही आंधी से/कितना कुछ रिसता है।' संग्रह की हर कविता अपने मौलिक आचरण में शाश्वत उच्चारण कर रही है। कविता का सादापन, पहाड़ीपन, कहीं-कहीं बांकापन बनकर मर्मस्पर्शी बन जाता है, तो पन्ने दर पन्ने पर कुछ कविताएं बार-बार आमंत्रित करती हैं, हिस्से की छांव, बसंत अब..., दीप जलें, बदल गया है सब, शोहरत की बुलंदी, शब्द अंत तक लड़ेंगे, मेरी जड़ें, कई बार, मेमने, मुमकिन नहीं, हमें भी बताना, मेरे अंदर, मैं कविता लिखता हूं, तुम्हें याद करना और हमारी नदी जैसी अनेक कविताएं पाठक के मन की जागीर बनती हैं और तब हर कविता एक घरौंदा-एक पूरा परिवेश लगती है। भारती की कविताओं का व्याकरण अपने शब्दों की व्याख्या, परिवेश की समीक्षा, अनंत जिज्ञासा, अनुभव की पराकाष्ठा, हकीकत की मिट्टी और सपनों की अभिलाषा से जुड़ा है। वह पहाड़ के चरित्र में पर्यावरण देखते हैं, तो प्रदूषण को खदेड़ते हैं। वह समाज के तराने सुनते हैं, तो किसी फौजी बूट के पदचिन्हों में देश के प्रति तड़प का इजहार करते हैं। वह खोखले दंभों के नीचे कुचलती मर्यादाओं की आह सुनते हैं, तो षड्यंत्रों की खामोश भाषा में विच्छेदन का विष खोज लाते हैं, 'इस तपती धूप में/देर व दूर तक चलते हुए मैं/लंबी अंधी सुरंगों तक/बनाऊंगा सूरज के पहुंचने का रास्ता/साथ चलूंगा उनके जो/अंधेरों से मुक्ति के युद्ध/लड़ रहे हैं।' हंसराज भारती की कलम अपने परिवेश की एक सौगंध में लाखों परिदृश्यों का साथ देती है। वह घाटियों सी विशालता और शिखर से ऊंचाई में भी कच्चे घड़े की मजबूती में माटी का रंग उकेरते हैं और पिंजरे तोड़ कर पगडंडियों पर पांव सहलाते हैं, 'वो गुल्ली डंडे की पारियां/वो कंचों की जीती-हारी बाजियां/वो डुग्घे नालू, खड़ी कुआलियां।'

जिनके घर शीशे के हों वह दूसरों के घरों पर पत्थर नहीं फेंकते

देश में इन दिनों छात्रों और युवा पीढ़ी अर्थात जेन-जी के छिड़े घमासान के बीच जेन-जी को ही केंद्र में रखकर कुछ ऐसे बयान सुनने में आ रहे हैं जिनकी न तो भाषा शालीन है न ही बयान देने वालों का व्यक्तित्व ही ऐसा है जिसे देश में शिक्षा, रोज़गार, पारदर्शिता, जवाबदेही, भ्रष्टाचार, लोकतंत्र तथा संवैधानिक मूल्यों को लेकर संघर्षरत युवा पीढ़ी व छात्रों से जोड़ा जा सके। इस संबंध में सबसे दिलचस्प वाकयुद्ध बाबा रामदेव व फ़िल्म अभिनेत्री व भारतीय जनता पार्टी सांसद कंगना रनौत के बीच छिड़ा। इस वाक्युद्ध ने एक दूसरे की पोल पट्टी खोलकर रख दी। ग़ौरतलब है कि बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक मामले के विरोध में प्रदर्शन कर रही युवा पीढ़ी पर तीखी टिप्पणियां की थीं।

तनवीर जाफ़री

कंगना ने प्रदर्शनकारी युवाओं को गटर जनरेशन कहकर संबोधित किया था। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा था कि जेन-जी के आंदोलनों के वीडियो देखकर मुझे झटका लगा। मैंने अपनी ज़िंदिगी में इतना अजीब और इतना बुरा कुछ नहीं देखा है। इन्हें (युवा पीढ़ी को) किसने जन्म दिया है? कौन इनका पालन-पोषण कर रहा है? यह गटर की पीढ़ी है। कंगना ने प्रदर्शन के दौरान युवाओं द्वारा इस्तेमाल की जा रही भाषा को बेहद असभ्य और अमर्यादित बताया था। उन्होंने इसे उल्टी आने जैसा व्यवहार क़रार दिया था। प्रदर्शनकारी छात्राओं और युवतियों पर निशाना साधते हुए कंगना ने कहा था कि इन लड़कियों का आचरण बेहद निराशाजनक है। उन्होंने कहा कि यह लड़कियां भविष्य में अच्छी गृहिणी भी नहीं बन सकतीं। कंगना ने केवल छात्रों को ही नहीं बल्कि उनके माता-पिता को भी कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने सवाल उठाया कि माता-पिता अपने बच्चों को ऐसे संस्कार कैसे दे सकते हैं, जो उन्हें सार्वजनिक रूप से इस तरह के अभद्र व्यवहार की अनुमति देते हैं?

कंगना रनौत के इस बयान की ख़ासकर इसकी शब्दावली की चारों ओर घोर आलोचना की गयी। परन्तु सबसे तीखी प्रतिक्रिया योग गुरु एवं व्यवसायी बाबा रामदेव द्वारा एक टी वी चैनल पर इसी संबंध में पूछे गये एक सवाल पर दी गयी। जब बाबा रामदेव से कंगना के गटर जेनरेशन वाले बयान पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कंगना की मानसिक स्थिति, उनकी योग्यता और उनके अतीत पर ही गंभीर सवाल उठा दिये। रामदेव ने कहा कि उनकी क्वालिफ़िकेशन (शिक्षा)क्या है? उनका बचपन कैसा रहा है? उनकी जवानी कैसी रही है? उनके पहले के कारनामे कैसे रहे हैं? मैं ऐसे लोगों के बारे में बात नहीं करना चाहता। किसी भी देश के जवानों को और जेन-ज़ी को गटर बोलना यह बिगड़े हुए दिमाग़ की निशानी है। यह ग़लत बात है और उनकी पार्टी (बीजेपी) को इस पर संज्ञान लेना चाहिए। हमेशा भाजपा सरकार की पैरवी करने वाले बाबा रामदेव के इस बयान को लेकर वैसे भी लोग आश्चर्यचकित हैं कि आख़िर उन्होंने किस तरह सत्ता के विरोध में आवाज़ उठाने की हिम्मत जुटाई? कुछ लोग तो उनके इस बयान की वजह से उन्हें राजनीति का मौसम विज्ञानी भी कहने लगे हैं। बहरहाल सवाल यह है कि रामदेव ने कंगना रानौत को लेकर इतने सारे सवाल एक साथ कैसे और किस आधार पर खड़े किये? और क्या वजह थी कि रामदेव के इन सवालों से तिलमिलाकर कंगना को भी रामदेव पर तीखे जवाबी बाण छोड़ने पड़े? दरअसल कंगना रनौत ने स्वयं अपने अनेक इंटरव्यू में अपने शुरुआती जीवन, चरित्र, नशे और संघर्षों को लेकर बेहद चौंकाने वाले और बेबाक बयान दिए थे। उनके ये बयान समय-समय पर सोशल मीडिया और मीडिया गलियारों में बड़े विवाद की वजह बने हैं। कंगना रनौत ने साल 2020 में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया था। इस वीडियो में उन्होंने खुलकर स्वीकार किया था कि वह एक समय पर ड्रग्स की लत का शिकार हो चुकी थीं। उन्होंने कहा था कि जब मैं घर से भागी थी, उसके डेढ़-दो साल के अंदर ही मैं एक फ़िल्म स्टार भी थी और एक ड्रग एडिक्ट भी थी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि शुरुआती दिनों में उनके एक मेंटॉर जो बाद में प्रताड़ित करने वाले बन गए, उनकी ड्रिंक्स में नशीली चीज़ें मिलाकर देते थे ताकि वह पुलिस के पास न जा सकें। बाद में एक इंटरव्यू में उन्होंने स्पष्ट किया कि वे योग और स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं की मदद से नशे की इस लत से बाहर आ पाईं। उसी 2020 के वीडियो में अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए कंगना ने खुद को ख़तरनाक बताया था। उन्होंने कहा था कि जब वह कम उम्र में घर से भागकर मुंबई आई थीं, तो बहुत ग़लत लोगों के चंगुल में फंस गई थीं। उन्होंने कहा था कि मेरी ज़िंदिगी में इतने स्कैंडल चल रहे थे और मैं ऐसे लोगों के हाथों में पड़ गई थी, जहां से सिर्फ़ मौत ही मुझे बचा सकती थी। यह सब मेरी ज़िंदिगी में तब हो रहा था जब मैं सिर्फ़ एक टीनेजर (किशोरी) थी। सोच लो, मैं कितनी ख़तरनाक हूँ! कंगना ने यह भी बताया था कि उनके पिता उन्हें डॉक्टर बनाना चाहते थे, लेकिन जब उन्होंने मना किया तो उनके पिता ने उन्हें थप्पड़ मारा था, जिसके बाद उन्होंने घर छोड़ दिया। वह महज़ 15-16 साल की उम्र में बिना पैसों के घर से भागकर दिल्ली और फिर मुंबई आ गई थीं। वास्तव में कंगना की इस तरह की स्वीकारोक्ति को ही आधार बनाकर रामदेव ने उन्हें लेकर अनेक प्रश्न खड़े कर दिये। और प्रश्नों की उसी शब्दावली के अनुरूप ही कंगना ने भी रामदेव पर सीधा व्यक्तिगत प्रहार करते हुये कहा कि बाबा जी, मेरी जवानी या बेडरूम के बारे में आप दिन में सपने मत देखिए। कोई सिर्फ़ अफ़वाहों और गॉसिप के आधार पर ही ऐसा अंदाज़ा लगा सकता है। कंगना ने पतंजलि के भ्रामक विज्ञापनों वाले मामले की ओर इशारा करते हुये कहा कि कम से कम मुझे कभी झूठे या फ़र्ज़ी मेडिकल दावों के लिए सुप्रीम कोर्ट से फटकार नहीं लगी है। मेरे दावे हमेशा ठोस तथ्यों पर आधारित होते हैं, न कि किसी अफ़वाह पर। कंगना ने बाबा रामदेव को करारा जवाब देते हुए कहा, इसलिए आप मुझे चरित्र का पाठ मत पढ़ाइए। मेरा चरित्र आपसे कहीं ज़्यादा बेहतर है, यहां कोई धोखाधड़ी/फ़्रॉड नहीं पकड़ी गई है। कंगना द्वारा रामदेव इसतरह के शब्द बाण भी अकारण नहीं छोड़े गये। इसके पीछे रामदेव और उनकी कंपनी पतंजलि आयुर्वेद के खिलाफ विभिन्न अदालतों विशेषकर सुप्रीम कोर्ट और सरकारी प्राधिकरणों द्वारा की गई कई गंभीर कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाइयां शामिल हैं। कभी सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि आयुर्वेद को उन सभी दवाओं और उत्पादों के विज्ञापन और ब्रांडिंग करने से पूरी तरह रोक दिया, जो ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954 के तहत प्रतिबंधित बीमारियों को पूरी तरह ठीक करने का दावा करते थे कभी कोर्ट में लिखित आश्वासन देने के बावजूद भ्रामक विज्ञापन जारी रखने पर कोर्ट ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया। कभी कोर्ट ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से अदालत में हाज़िर होने का आदेश दिया और उनकी क़ानूनी टीम को कड़ी फटकार लगाई। तो कभी उन्होंने अदालत में बिना शर्त माफ़ी मांगी अदालत ने महज़ दिखावा कहकर ख़ारिज कर दिया था।

लोकतंत्र और आंदोलन में अनुशासन की जरूरत

हृदयनारायण दीक्षित

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वाधीनता दिवस के अवसर पर लाल किले से विघटनकारी शक्तियों से सावधान रहने की अपील की है। मोदी का भाषण बार-बार पठनीय है। उन्होंने नक्सली हिंसा की ओर देश का ध्यान आकर्षित किया है। बताया है कि देश की धरती पर सक्रिय भारत विरोधी नक्सलियों का हमने सफाया कर दिया है। सब जानते हैं कि नक्सलपंथ संविधान, परम्परा, संस्कृति और कानून को नहीं मानते। उनका विचार हिंसा और सिर्फ हिंसा है। उनसे लड़ते हुए सुरक्षा बलों के हजारों नौजवान मारे गए हैं। वे राष्ट्रतोड़क हिंसावादी विचारधारा की मजबूती के लिए छद्म नामों से संगठन चलाते हैं। संविधान में उनकी आस्था नहीं है। देश को तोड़ने के लिए वे किसी भी सीमा तक जा सकते हैं। वे स्वयं को विद्वान कहते हैं। उनकी दृष्टि में शेष भारतीय सांप्रदायिक और संस्कृतिविहीन हैं। नक्सली विचारधारा मार्क्सवाद का विस्तार है। इस विचारधारा में हिंसा और हत्या जैसे कृत्य निंदनीय नहीं हैं। लेनिन ने लिखा था, 'उत्पीड़ित वर्गों द्वारा उत्पीड़न के खिलाफ, भूदासों द्वारा भूस्वामियों पर चलाए जाने वाले अभियान को पूर्णतः प्रगतिशील मानते हैं।' प्रगति प्रकाशन, मास्को द्वारा प्रकाशित पुस्तक में सबकुछ जायज माना गया है। इस विचारधारा से पैदा संगठनों का काम सुव्यवस्थित रूप में चलता है। पढ़-लिख सकने वाले लोग शिक्षण संस्थाओं पर कब्जा करते हैं। ये यत्र-तत्र सर्वत्र हिंसक गतिविधियों का मनमाना विश्लेषण करते हैं। उन्हें समर्थन देते हैं। इनकी तुलना स्पेन के गृहयुद्ध (1938) में प्रचलित फिफ्थ कॉलमिस्ट (पांचवां स्तंभ) से की जा सकती है। फ्रेंको के जनरल ने कहा था, 'हमारे चार दस्ते मैड्रिड पर हमलावर हैं। पांचवां कॉलम पहले से ही शहर के भीतर मौजूद और

सक्रिय है।' तभी एक विशेष प्रकार की पत्रकारिता को पांचवां स्तंभ कहा गया। भारत में पांचवें स्तंभकार (फिफ्थ कॉलमिस्ट) सक्रिय हैं। वे हिंसक गतिविधियों का औचित्य सिद्ध करने में लगे रहते हैं। जंतर मंतर की अराजकता वाले अंश का समर्थन करने वाले कथित बुद्धिजीवियों के लेख और विश्लेषण ऐसे ही थे। नक्सलपंथी अपने मिशन में सक्रिय हैं। आईएसआई जैसी संस्थाओं से उनके रिश्ते हैं। कम्युनिस्ट विचारधारा के अनुसार संसदीय राजनीति में गरीबों मजदूरों और सर्वहारा वर्ग का कोई हितसाधन संभव नहीं है। जनसंग्राम और जनयुद्ध में ही सर्वहारा वर्ग का हित है। मार्क्स ऐंगल्स ने कम्युनिस्ट घोषणापत्र में सर्वहारा की लड़ाई का तत्व बताया था। इस लड़ाई में, 'सर्वहारा वर्ग केवल अपने को ही पुनर्जीवित नहीं करता। वह अपने साथ पूरी कौम और पूरे समाज को भी पुनर्जीवित करता है। प्रधानमंत्री ने ऐसी विचारधारा के लिए 'दिमागी नक्सल' शब्द का प्रयोग किया है। स्वयं को सर्वाधिक शिक्षित और विद्वान मानने वाले पूर्व केन्द्रीय मंत्री पी. चिदम्बरम ने फौरन प्रतिक्रिया दी और कहा कि उन्हें दिमागी नक्सल होने पर गर्व है। तमाम अन्य लोगों ने भी प्रतिक्रियाएं दी हैं। दिमागी नक्सल विचारधारा के लोगों ने भारत को कभी एक राष्ट्र नहीं माना। उन्होंने भारतीय ज्ञान परम्परा और दर्शन का मजाक बनाया है। यहाँ के समाज को आत्महीन और पिछड़ा बताया है। उनके ज्ञान का सदुपयोग कांग्रेस करती आई है। सोची-समझी रणनीति के तहत वे भारतीय श्रद्धा वाले महापुरुषों और प्रतीकों का अपमान करते रहे हैं। श्रीराम और श्रीकृष्ण को कल्पना बताते रहे हैं। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के परिसर में भारत विरोधी नारेबाजी के तार 'भारत तेरे टुकड़े होंगे' तक विस्तृत है। वे संवैधानिक संस्थाएं नहीं मानते। वे न्यायपालिका का आदर नहीं करते। कार्ल मार्क्स, लेनिन और माओत्सेतुंग इनके देवता हैं। इसी विचार के लोगों ने महात्मा गांधी तक को गालियाँ दी थीं। हिंसा ही उनकी दृष्टि में सारी समस्याओं का समाधान है। वे कथित रूप में सर्वहारा की तानाशाही लाना चाहते हैं। भिन्न-भिन्न नामों से काम करते हैं और हिंसा का प्रचार करते हैं। नक्सलपंथ भी इसी नाम बदलने की शैली से विकसित हुआ है। पश्चिम बंगाल के गांव नक्सलबाड़ी में दो वर्गों में संघर्ष हुआ। इन्हीं लोगों ने एक गुट को संरक्षण दिया। इस काण्ड में तमाम हत्याएं हुई थीं। इन लोगों ने नक्सलबाड़ी गांव में हुए इस संघर्ष का नाम नक्सलपंथ रखा। नक्सलपंथ माओ से प्रेरित है। हिंसा और हत्या, लूटपाट और डकैती इनके सामान्य हथियार हैं। विश्वविद्यालय इस विचारधारा के प्रचार के लिए सरल और सुगम मार्ग प्रतीत होते हैं। दिल्ली के विश्वविद्यालय जब तब दिमागी नक्सली विचारधारा के प्रचार का अड्डा बन जाते हैं। जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन ने देश का ध्यान आकर्षित किया। इस प्रदर्शन में शामिल होने वाले छात्रों की मांग सुचितापूर्ण परीक्षा से जुड़ी हुई थी। लेकिन उपस्थित नौजवानों का एक वर्ग संसद, प्रधानमंत्री और न्यायपालिका पर भी टिप्पणियां कर रहा था। आन्दोलन लोकतांत्रिक अधिकार है।

तिब्बत: जब पहचान पर सत्ता भारी पड़ने लगे

तिब्बत का सवाल केवल भाषा, धर्म और राजनीति तक सीमित नहीं है। उसका पर्यावरणीय पक्ष भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। तिब्बती पठार एशिया की अनेक प्रमुख नदियों का उद्गम क्षेत्र है। वहां बांध, खनन और बड़े बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं का असर तिब्बत से बाहर तक जा सकता है। भारत सहित कई देशों की जल और पर्यावरण सुरक्षा हिमालयी पारिस्थितिकी से जुड़ी है।

भारत के लिए तिब्बत इसलिए केवल दूर का भू-राजनीतिक मुद्दा नहीं है। सीमा सुरक्षा, जल संसाधन, हिमालयी पर्यावरण और सदियों पुराने सांस्कृतिक संबंध इसे सीधे भारतीय हितों से जोड़ते हैं।

कुमार कृष्णन

किसी समाज की पहचान केवल उसकी सीमाओं से नहीं बनती। भाषा, संस्कृति, धर्म, परंपरा और सामूहिक स्मृतियां भी उसके अस्तित्व का आधार होती हैं। इसलिए जब राजनीतिक सत्ता और सांस्कृतिक पहचान के बीच टकराव बढ़ता है, तो विवाद केवल भूगोल का नहीं रह जाता। वह मनुष्य के अधिकार, सम्मान और अस्तित्व का प्रश्न बन जाता है। तिब्बत आज इसी सवाल के बीच खड़ा है। 20 अगस्त 2026 को धर्मशाला में काशाग और निर्वासित तिब्बती संसद ने लोबगा राङचेन की मृत्यु के 49वें दिन प्रार्थना सभा और शांति पदयात्रा आयोजित की। राङचेन ने 2 जुलाई को न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के सामने आत्मदाह किया था। कार्यक्रम में सिक्योंग पेनपा त्सेरिंग ने काशाग का वक्तव्य प्रस्तुत किया। पदयात्रा में चीन की तिब्बत नीति और 1 जुलाई से लागू हुए 'जातीय एकता और प्रगति कानून' के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराया गया।

पेनपा त्सेरिंग ने राङचेन की मृत्यु को तिब्बती प्रश्न की गंभीरता से जोड़ते हुए तिब्बतियों की भाषा, संस्कृति, धर्म और पहचान पर बढ़ते दबाव की चिंता व्यक्त की। लेकिन इस पूरे प्रसंग का सबसे संवेदनशील पक्ष आत्मदाह है। किसी राजनीतिक उद्देश्य के लिए जीवन समाप्त करना समाधान नहीं हो सकता। यह पहले एक मानवीय त्रासदी है। सवाल यह है कि कोई व्यक्ति ऐसी निराशा की स्थिति में क्यों पहुंचता है, जहां उसे अपनी आवाज सुनाने के लिए अपने जीवन की कीमत चुकानी पड़ती है। यहीं तिब्बत का मूल प्रश्न सामने आता है—क्या राष्ट्रीय एकता के लिए सांस्कृतिक एकरूपता जरूरी है? चीन नए कानून को राष्ट्रीय एकता, सामाजिक स्थिरता और विभिन्न जातीय समुदायों के बीच सहयोग की व्यवस्था के

रूप में देखता है। तिब्बती नेतृत्व की चिंता इसके विपरीत है। उसका कहना है कि इससे तिब्बती भाषा, संस्कृति, धर्म और सामाजिक जीवन पर सरकारी नियंत्रण बढ़ सकता है। इस मतभेद को भावनाओं के बजाय तथ्य और स्वतंत्र जांच के आधार पर समझना जरूरी है।

राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक एकरूपता एक नहीं हैं। दुनिया के अनेक देशों में अलग-अलग भाषाओं और संस्कृतियों वाले समुदाय अपनी विशिष्ट पहचान बनाए रखते हुए एक राष्ट्र का हिस्सा हैं। मजबूत राष्ट्र वह नहीं जो अपनी विविधता मिटा दे, बल्कि वह है जो विविधता के भीतर एकता कायम करे। तिब्बती नेतृत्व का दावा है कि बड़ी संख्या में तिब्बती बच्चे आवासीय विद्यालयों में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, जहां उनकी मातृभाषा और सांस्कृतिक वातावरण से दूरी बढ़ रही है। शिक्षा में चीनी भाषा को बढ़ती प्राथमिकता मिलने को लेकर भी चिंता जताई गई है। इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है। लेकिन भाषा के महत्व को समझने के लिए किसी राजनीतिक पक्ष की पुष्टि की जरूरत नहीं। भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं होती। उसमें किसी समाज का इतिहास, साहित्य, लोकस्मृति और जीवन-दर्शन सुरक्षित रहता है। किसी समुदाय की मातृभाषा यदि शिक्षा और सार्वजनिक जीवन में लगातार कमजोर होती है, तो उसके साथ सांस्कृतिक स्मृति भी कमजोर पड़ सकती है। तिब्बती बौद्ध धर्म का प्रश्न भी इसी से जुड़ा है। तिब्बत में धर्म निजी आस्था से आगे बढ़कर सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का आधार है। मठ, धार्मिक शिक्षा और आध्यात्मिक परंपराएं तिब्बती पहचान से जुड़ी हैं। तिब्बती नेतृत्व लंबे समय से धार्मिक संस्थाओं और धार्मिक नेतृत्व में सरकारी हस्तक्षेप का आरोप लगाता रहा है। धार्मिक स्वतंत्रता का अर्थ केवल पूजा करने की अनुमति नहीं है। इसमें धार्मिक संस्थाओं, परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने की स्वतंत्रता भी शामिल है। इसलिए तिब्बत में धार्मिक स्वतंत्रता का मूल्यांकन केवल धार्मिक स्थलों की मौजूदगी से नहीं, बल्कि धार्मिक संस्थाओं की स्वतंत्रता और सांस्कृतिक निरंतरता से भी होना चाहिए।

हालांकि इस विषय में सावधानी जरूरी है। तिब्बती निर्वासन प्रशासन के आरोपों को अंतिम सत्य मानना उचित नहीं होगा, जैसे चीनी सरकार के दावों को बिना जांच स्वीकार करना भी उचित नहीं है। तिब्बत जैसे संवेदनशील प्रश्न में स्वतंत्र तथ्य-जांच सबसे महत्वपूर्ण है। यही बात तिब्बत समर्थक भारतीय संगठनों से जुड़े सुरेन्द्र कुमार के विचारों में भी दिखाई देती है। वे भारत और तिब्बत के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक संबंधों को रेखांकित करते हुए तिब्बत के प्रश्न को भारत की सुरक्षा से अलग करके देखने के पक्ष में नहीं हैं। उनका जोर इस बात पर रहा है कि भारत में तिब्बत के बारे में जन-जागरूकता बढ़नी चाहिए और तिब्बत के प्रश्न को केवल विदेश नीति का विषय मानने के बजाय भारत के दीर्घकालिक हितों से जोड़कर समझना चाहिए। सुरेन्द्र कुमार ने भारत और तिब्बत के पुराने संबंधों की ओर ध्यान दिलाते हुए यह भी कहा है कि दोनों के बीच कभी एक सुरक्षित और मैत्रीपूर्ण सीमा थी, जहां आवागमन के लिए आज जैसी औपचारिक बाधाएं नहीं थीं। उनके विचार में तिब्बत का सवाल भारत की सांस्कृतिक विरासत, हिमालयी क्षेत्र और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। इस दृष्टिकोण को केवल राजनीतिक समर्थन के रूप में नहीं, बल्कि भारत की रणनीतिक चिंता के संदर्भ में देखना चाहिए। तिब्बत में होने वाले राजनीतिक और पर्यावरणीय बदलावों का असर हिमालय और भारत की सीमाओं तक पहुंच सकता है।भारत ने लंबे समय से दलाई लामा और तिब्बती शरणार्थियों को मानवीय आधार पर आश्रय दिया है। बौद्ध धर्म ने भारत और तिब्बत के बीच गहरे सभ्यतागत संबंध बनाए हैं। लेकिन चीन के साथ भारत के संबंधों की अपनी जटिलताएं हैं। इसलिए भारत की नीति में मानवीय संवेदना और कूटनीतिक विवेक दोनों जरूरी हैं। भारत तिब्बतियों के भाषाई, सांस्कृतिक और धार्मिक अधिकारों का समर्थन कर सकता है, लेकिन हर मुद्दे को चीन के साथ टकराव में बदलना जरूरी नहीं।

नए विषयों और नई उम्मीदों के साथ विवेकानंद महाविद्यालय में दीक्षारंभ कार्यक्रम हुआ संपन्न

मनेंद्रगढ़ महाविद्यालय को प्रदेश के उत्कृष्ट संस्थानों में विकसित करेंगे : स्वास्थ्य मंत्री

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP-2020) के अंतर्गत सत्र 2026-27 में शासकीय विवेकानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय मनेंद्रगढ़ में नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं के लिए दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही इस अवसर पर कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी संतन देवी जांगड़े, नगर पालिका परिषद मनेंद्रगढ़ अध्यक्ष प्रतिमा यादव, उपाध्यक्ष धर्मेंद्र पटवा, जिला अध्यक्ष एवं पूर्व संसदीय सचिव चंपादेवी पावले जनभागीदारी समिति अध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह राणा सहित जनप्रतिनिधि प्राध्यापक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। छात्राओं द्वारा राष्ट्रीय गीत की प्रस्तुति दी गई। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. श्राबनी चक्रवर्ती ने अतिथियों एवं नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए बताया कि NEP-2020 के अंतर्गत इस सत्र से महाविद्यालय में हिन्दी साहित्य, इतिहास एवं प्राणीशास्त्र जैसे तीन नए विषय प्रारंभ हुए हैं। पूर्व से संचालित चार विषयों को मिलाकर अब कुल सात विषयों में अध्ययन की सुविधा उपलब्ध है उन्होंने इसे महाविद्यालय के शैक्षणिक विस्तार की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया प्राचार्य ने महाविद्यालय में बाउंड्रीवाल, नवीन कक्ष, स्टेज, ऑडिटोरियम सहित आवश्यक अधोसंरचना की जरूरतों से अतिथियों को अवगत कराया और विकास कार्यों के लिए सहयोग का आग्रह किया नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों को अवसरों से जोड़ने का माध्यम: कलेक्टर कलेक्टर संतन देवी जांगड़े ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महाविद्यालय केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्तित्व, सोच और भविष्य को दिशा देने का महत्वपूर्ण समय है NEP -2020 शिक्षा को विद्यार्थी-केंद्रित कौशल आधारित, व्यावहारिक एवं रोजगारोन्मुखी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है उन्होंने विद्यार्थियों से नई तकनीक, कौशल, नवाचार और रचनात्मकता से जुड़ते हुए अनुशासन एवं सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया उन्होंने कहा कि महाविद्यालय की अधोसंरचना संबंधी आवश्यकताओं पर प्राथमिकता से पहल एवं समन्वय किया जाएगा ताकि विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं बेहतर अध्ययन वातावरण मिल सके महाविद्यालय को प्रदेश के उत्कृष्ट संस्थानों में विकसित करेंगे : स्वास्थ्य मंत्री मुख्य अतिथि स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं को नए शैक्षणिक सत्र की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शासकीय विवेकानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय मनेंद्रगढ़ निरंतर प्रगति कर रहा है विद्यार्थियों की संख्या और शिक्षा की गुणवत्ता में वृद्धि हो रही है हमारा प्रयास है कि इस महाविद्यालय को प्रदेश के उत्कृष्ट शासकीय महाविद्यालयों की श्रेणी में विकसित किया जाए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा के साथ व्यावसायिक एवं कौशल आधारित शिक्षा भी आवश्यक है इसी दिशा में मनेंद्रगढ़ में मेडिकल कॉलेज, चिरमिरी में हॉर्टिकल्चर एवं पॉलिटेक्निक कॉलेज, मनेंद्रगढ़ में फिजियोथेरेपी, झगराखांड में नर्सिंग तथा खड़गवां में कृषि कॉलेज जैसी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि पिछले ढाई वर्षों में महाविद्यालय के विकास के लिए लगभग 1 करोड़ 15 लाख रुपये के कार्य कराए गए हैं उन्होंने महाविद्यालय की बाउंड्रीवाल अधूरे स्टेज की छत तथा महिला एवं पुरुष प्रसाधन कक्ष के निर्माण की घोषणा की ऑडिटोरियम के लिए भी आवश्यक पहल किए जाने की बात कही गुरु ही सही मार्ग दिखाते हैं विद्यार्थियों को गुरु के महत्व से अवगत कराते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कबीरदास के प्रसिद्ध दोहे गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागू पाय। बलिहारी गुरु आपने गोविंद दियो बताय का उल्लेख किया।

सांभर का शिकार कर मांस पका रहे थे, पार्टी से पहले चार गिरफ्तार

तवानगर के नया रोरीघाट में वन विभाग का छापा सांभर का मांस बरामद वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम में केस

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। तवानगर क्षेत्र के जंगल में सांभर के शिकार का मामला सामने आया है सोहागपुर सामान्य वन विभाग और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की संयुक्त टीम ने रविवार को बागड़ा तवा के नया रोरीघाट में कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया वन विभाग के अनुसार आरोपी एक घर में सांभर का मांस पका रहे थे और पार्टी की तैयारी कर रहे थे इसी दौरान टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की DFO गौरव शर्मा के अनुसार वन विभाग को मुखबिर से सूचना मिली थी कि नया रोरीघाट में सांभर का शिकार करने के बाद उसका मांस पकाया जा रहा है सूचना मिलने के बाद रेंजर हेमंत शर्मा के नेतृत्व में टीम को मौके पर भेजा गया वन विभाग की टीम ने नया रोरीघाट में सियाराम के घर पर छापा मारा। यहां सांभर का मांस पकता हुआ मिला। पूछताछ में आरोपियों के पार्टी की तैयारी करने की बात सामने आई हालांकि पार्टी शुरू होने से पहले ही वन अमले ने चारों को पकड़ लिया वन विभाग के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में सियाराम पिता शिवलाल, सुखलाल पिता कुंजीलाल, नेपाल पिता करन सिंह और तलुन पिता मोहनलाल शामिल हैं चारों विस्थापित ग्राम रोरीघाट के निवासी बताए गए हैं चारों आरोपियों के खिलाफ वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम, 1972 की धारा 9, 39, 50 और 51 के तहत कार्रवाई की गई है। इसके अलावा BNSS 2023 की सुसंगत धाराओं में भी कार्रवाई की गई DFO ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपी शिकार की जगह को लेकर अलग-अलग जानकारी दे रहे हैं कभी तवानगर के जंगल और कभी किसी अन्य स्थान से सांभर का शिकार करने की बात कही जा रही है वन विभाग अब शिकार की वास्तविक जगह, घटना में इस्तेमाल संसाधनों और संभावित अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रहा है मामले में विवेचना जारी है।

छात्रावासों में रहने वाले विद्यार्थियों की जानकारी अब ऑनलाइन, हर माह दर्ज होगी उपस्थिति

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन के आदिम जाति विकास, अनुसूचित जाति विकास, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग द्वारा संचालित आश्रम-छात्रावासों की व्यवस्था में पारदर्शिता और बेहतर निगरानी की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है जिले के विभिन्न आश्रम-छात्रावासों में निवासरत छात्र-छात्राओं का पंजीयन विभाग द्वारा संचालित छात्रावास-आश्रम प्रबंधन प्रणाली पोर्टल पर किया गया है पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से पोर्टल में पंजीकृत सभी छात्र-छात्राओं की जानकारी अब पोर्टल के होम पेज पर प्रदर्शित की जाएगी। इससे छात्रावासों में निवासरत विद्यार्थियों की जानकारी आमजन के लिए भी आसानी से उपलब्ध हो सकेगी विद्यार्थियों की जानकारी देखने के लिए hmstribal.cg.nic.in पोर्टल पर जाकर 'विद्यार्थी उपस्थिति रिपोर्ट' मेनू पर क्लिक किया जा सकता है पोर्टल पर जिले की शासकीय अशासकीय, अनुदान प्राप्त एवं विशिष्ट संस्थाओं सहित विभिन्न संस्थाओं में प्रवेशित छात्र-छात्राओं की जानकारी उपलब्ध रहेगी साथ ही प्रत्येक माह की उपस्थिति भी अगले माह की 10 तारीख तक पोर्टल पर प्रदर्शित की जाएगी इसके अलावा पोर्टल पर शासन की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति तथा जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना (पूर्व में जवाहर उत्कर्ष योजना) के अंतर्गत लाभान्वित छात्र-छात्राओं की जानकारी भी नया क्या है टैब के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है यह व्यवस्था छात्रावासों में विद्यार्थियों की उपस्थिति एवं संस्थागत जानकारी को ऑनलाइन उपलब्ध कराने के साथ-साथ पारदर्शिता, जवाबदेही और बेहतर निगरानी को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

रक्षाबंधन से पहले शिवपुरी की बेटियों ने निभाया फर्ज, सैनिकों के लिए भेजीं राखियां

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। रक्षाबंधन के पर्व से पहले शिवपुरी जिले के बदरवास कस्बे की बेटियों ने देश की सीमाओं पर तैनात सैनिकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता जताते हुए अनूठी पहल की है। शासकीय कन्या हायर सेकंडरी स्कूल की छात्राओं ने अपने हाथों से राखियां और रक्षासूत्र तैयार किए हैं। विद्यालय प्रबंधन ने इन राखियों को भारतीय सेना मुख्यालय भेज दिया है जहां से इन्हें सीमा पर तैनात जवानों तक पहुंचाया जाएगा शिक्षक की प्रेरणा से शुरू हुई पहल यह पहल विद्यालय के शिक्षक गोविंद अवस्थी की प्रेरणा से शुरू हुई। उन्होंने छात्राओं को बताया कि देश की रक्षा करने वाले जवान त्योहारों के अवसर पर भी अपने परिवार और बहनों से दूर रहकर कर्तव्य निभाते हैं ऐसे में उनके लिए राखी भेजना सैनिकों के प्रति सम्मान स्नेह और कृतज्ञता व्यक्त करने का माध्यम हो सकता है शिक्षक की बात से प्रेरित होकर छात्राओं ने उत्साह के साथ अलग-अलग डिजाइन की राखियां और रक्षासूत्र तैयार किए। छात्राओं ने इन्हें पूरी श्रद्धा और लगन से बनाया और सेना तक पहुंचाने के लिए विद्यालय प्रबंधन को सौंप दिया छात्राओं ने कहा- जवान भी हमारे भाई छात्राओं ने कहा कि रक्षाबंधन केवल परिवार तक सीमित रहने वाला त्योहार नहीं है देश की सीमाओं की सुरक्षा में तैनात जवान भी देश की बेटियों के भाई हैं उनके लिए भेजी गई प्रत्येक राखी में बहनों का स्नेह, सम्मान और देशभक्ति की भावना जुड़ी है छात्राओं ने उम्मीद जताई कि जब ये राखियां सैनिकों तक पहुंचेंगी तो उन्हें अपने घर और बहनों की याद आएगी इस पहल के जरिए छात्राओं ने संदेश दिया कि देश की रक्षा में जुटे जवान भले ही अपने परिवार से दूर हों, लेकिन देश की बेटियां उनके साथ खड़ी हैं विद्यालय की इस पहल की स्थानीय स्तर पर भी सराहना की जा रही है।

मीट मार्केट में बिजली पोल गिरा बारिश के बीच बड़ा हादसा टला मकानों के पास झूल रहे थे तार

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी शहर के फिजिकल थाना क्षेत्र स्थित मीट मार्केट में रविवार दोपहर भारी बारिश के बीच अचानक एक बिजली का पोल सड़क पर गिर गया गनीमत रही कि हादसे के वक्त बिजली गुल थी जिससे एक बड़ा करंट हादसा टल गया पोल गिरने से विद्युत तार सड़क और आसपास के मकानों के पास झूलने लगे, जिससे कुछ समय के लिए लोगों में दहशत फैल गई यह घटना रविवार दोपहर करीब 2:30 बजे हुई। जानकारी के अनुसार, बारिश के कारण उस समय क्षेत्र में आवाजाही कम थी साथ ही बिजली आपूर्ति बंद होने के कारण तारों में करंट नहीं था इन दोनों कारणों से राहगीरों और आसपास मौजूद लोगों की जान बच गई पोल गिरने के बाद बिजली के तार सड़क पर फैल गए और आसपास के घरों के नजदीक झूलते रहे स्थानीय लोगों ने इस स्थिति पर सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की उनका कहना था कि यदि बिजली आपूर्ति चालू होती और पोल गिरने के समय सड़क पर भीड़ होती, तो एक गंभीर हादसा हो सकता था।

कबाड़ी की दुकान पर 350 पुराने, 5 नए मीटर मिले : विद्युत विभाग ने की शिकायत, गुरुग्राम की प्राइवेट कंपनी पर FIR

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी के पोहरी में पुराने सरकारी बिजली मीटर कबाड़ी की दुकान पर मिलने का मामला सामने आया है शहर के गुना नाका औद्योगिक क्षेत्र की एक कबाड़ दुकान से करीब 350 पुराने बिजली मीटर और 5 नए स्मार्ट मीटर मिले हैं विद्युत विभाग की शिकायत पर पुलिस ने मैसर्स अल्फनार पावर प्राइवेट लिमिटेड, गुरुग्राम के खिलाफ केस दर्ज किया है पोहरी क्षेत्र में स्मार्ट मीटर लगाने का काम अल्फनार पावर प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया था। विभाग के अनुसार, कंपनी को पुराने सरकारी मीटर निकालने के बाद उन्हें पोहरी वितरण केंद्र में जमा करना था विद्युत विभाग के कनिष्ठ यंत्री उपेंद्र कुमार ने पुलिस को शिकायत दी है कबाड़ दुकान पर मिले थे मीटर 19 अगस्त को विद्युत कर्मचारी रविकांत बोहरे से पुराने मीटरों की जानकारी मिली इसके बाद वेस्ट जोन के प्रबंधक रविंद्र सिंह जैन गुना नाका औद्योगिक क्षेत्र स्थित महेंद्र खटीक की कबाड़ दुकान पर पहुंचे वहां बड़ी संख्या में पुराने बिजली मीटर रखे मिले। मीटरों पर लगी पर्चियों से उनके पोहरी वितरण केंद्र से जुड़े होने की जानकारी मिली इसके बाद उपसंभाग शिवपुरी ग्रामीण के प्रबंधक आशुतोष कुमार सिंह ने भी मौके पर जांच की जांच में करीब 350 पुराने सरकारी मीटर और 5 नए स्मार्ट मीटर मिले विभाग ने कंपनी पर लगाया आरोप विद्युत विभाग का आरोप है कि पुराने मीटर पोहरी वितरण केंद्र में जमा कराने के बजाय कबाड़ की दुकान तक पहुंचाए गए विभाग ने इसे सरकारी सामान के गलत इस्तेमाल का मामला बताया है विभाग ने कंपनी के खिलाफ कार्रवाई के लिए पुलिस को आवेदन दिया। इसके साथ कंपनी को दिए गए काम के आदेश की सत्यापित प्रति और मिले मीटरों की तस्वीरें भी दी गईं पुलिस ने आवेदन के आधार पर केस दर्ज किया है।

सागर पुलिस एवं एसडीआरएफ ने गदेरी नदी में फंसे 9 लोगों को साहसिक रेस्क्यू कर सुरक्षित बचाया

घने जंगल और दुर्गम रास्ते से लगभग 4 किलोमीटर पैदल पहुंची पुलिस टीम तेज बहाव के बीच एसडीआरएफ ने संभाला मोर्चा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। सागर जिले के आबचंद गुफा क्षेत्र में गदेरी नदी के तेज बहाव एवं चारों ओर से पानी से घिरे 9 लोगों को सागर पुलिस, एसडीआरएफ एवं होमगार्ड की संयुक्त टीम ने अदम्य साहस, त्वरित निर्णय क्षमता और उत्कृष्ट समन्वय का परिचय देते हुए सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में किए गए इस साहसिक रेस्क्यू ऑपरेशन में पुलिस टीम ने घने जंगल एवं दुर्गम रास्ते से लगभग 4 किलोमीटर पैदल पहुंचकर रेस्क्यू स्थल तक पहुंच बनाई, वहीं एसडीआरएफ जवानों ने तेज बहाव के बीच नदी में उतरकर सभी को सुरक्षित बाहर निकाला 22 अगस्त को डायल-112 एवं पुलिस कंट्रोल रूम के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि आबचंद गुफा क्षेत्र में गदेरी नदी के तेज बहाव के कारण 9 लोग नदी के बीच पानी से घिर गए हैं सूचना को गंभीरता से लेते हुए सागर पुलिस द्वारा तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन प्रारंभ किया गया पुलिस अधीक्षक सागर द्वारा पूरे घटनाक्रम की लगातार मॉनिटरिंग करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं विभागों से समन्वय स्थापित किया गया तथा आवश्यक संसाधनों को तत्काल मौके पर पहुंचाने के निर्देश दिए गए आबचंद गुफा की ओर से रेस्क्यू स्थल तक पहुंचना अत्यंत कठिन एवं जोखिमपूर्ण था। परिस्थितियों का आकलन करते हुए पुलिस अधिकारियों द्वारा तत्काल वैकल्पिक मार्ग से आबचंद गांव की ओर से रेस्क्यू स्थल तक पहुंचने की रणनीति बनाई गई पुलिस एवं एसडीआरएफ की टीम घने जंगल, अंधेरे एवं अत्यंत दुर्गम रास्ते से लगभग 4 किलोमीटर पैदल आगे बढ़ी। रास्ते में जंगली जानवरों का खतरा और कठिन भौगोलिक परिस्थितियां होने के बावजूद टीम ने बिना समय गंवाए आगे बढ़ना जारी रखा स्थानीय ग्रामीणों की सहायता, जीपीएस नेविगेशन एवं सर्चलाइट की मदद से टीम ने रेस्क्यू स्थल तक पहुंच बनाई रेस्क्यू स्थल पर पहुंचने के बाद स्थिति अत्यंत चुनौतीपूर्ण थी नदी का बहाव तेज था तथा पानी से चारों ओर घिरे लोगों तक पहुंचना जोखिमपूर्ण था ऐसे में होमगार्ड एवं एसडीआरएफ टीम ने विशेष रेस्क्यू कौशल एवं साहस का परिचय देते हुए कार्रवाई प्रारंभ की एसडीआरएफ जवानों ने अत्यंत सावधानी के साथ तेज बहाव के बीच पहुंचकर नदी में फंसे सभी 9 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान पुलिस, एसडीआरएफ, होमगार्ड एवं स्थानीय ग्रामीणों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखा गया रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों द्वारा लगातार स्थिति की निगरानी की गई।

ई जीरो FIR अंतर्गत देवास पुलिस की प्रभावी कार्यवाही

डिजिटल अरेस्ट फ्रॉड के अंतरराज्यीय नेटवर्क का पर्दाफाश 17 राज्यों के 33 जिलों में 127 दिनों तक चली कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप प्रदेश में साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा पीड़ितों को त्वरित राहत उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा ई-जीरो स्त्रङ्कक्रं व्यवस्था लागू की गई है। इसी क्रम में पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ए साईं मनोहर के नेतृत्व में देवास पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट फ्रॉड के एक अंतरराज्यीय नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने साइबर ठगी के इस नेटवर्क से जुड़े 12 आरोपियों को गिरफ्तार कर लगभग 54 लाख 84 हजार 725 रुपए की ठगी गई राशि बरामद की है जिले के थाना कोतवाली क्षेत्र के नागरिक से डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 63 लाख 52 हज़ार रुपए की साइबर ठगी की शिकायत साइबर हेल्पलाइन 1930 पर प्राप्त हुई थी प्रकरण में थाना कोतवाली देवास में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर देवास पुलिस द्वारा विशेष टीम गठित कर साइबर ठगी की राशि से जुड़े बैंकिंग ट्रांजेक्शन, खाताधारकों, मोबाइल नंबरों, बैंक स्टेटमेंट, बैंक शाखाओं के सीसीटीवी फुटेज एवं अन्य तकनीकी साक्ष्यों का विस्तृत विश्लेषण किया गया जांच के दौरान प्रत्येक बैंकिंग लेयर का तकनीकी एवं वित्तीय विश्लेषण करते हुए पुलिस टीम आरोपियों तक पहुंची ठगी की रकम के ट्रांजेक्शन का लगातार पीछा करते हुए देवास पुलिस की 19 टीमों में शामिल 70 पुलिसकर्मियों ने राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, उत्तरप्रदेश, दिल्ली सहित कुल 17 राज्यों के 33 जिलों में स्थानीय पुलिस के समन्वय से संदिग्ध खाताधारकों एवं आरोपियों के ठिकानों पर दबिश दी इस अंतरराज्यीय कार्रवाई के दौरान पुलिस टीमों ने लगातार 127 दिनों तक आरोपियों की तलाश, बैंक खातों की जांच, बैंक शाखाओं से तकनीकी साक्ष्य संकलन तथा संदिग्धों की गतिविधियों का सत्यापन किया इस दौरान टीमों ने लगभग 58 हजार 315 किलोमीटर की दूरी तय की और विभिन्न राज्यों में समन्वित कार्रवाई करते हुए नेटवर्क से जुड़े 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया जांच में सामने आया कि साइबर ठगों द्वारा स्वयं को दूरसंचार विभाग, मुंबई क्राइम ब्रांच एवं सीबीआई का अधिकारी बताकर पीड़ित को फोन एवं वीडियो कॉल के माध्यम से मनी लॉन्ड्रिंग प्रकरण में फंसाने और गिरफ्तारी का डर दिखाकर फर्जी जांच प्रक्रिया संचालित की गई तथा न्यायालय जैसी परिस्थितियां निर्मित कर पीड़ित से उसकी बैंकिंग एवं निवेश संबंधी जानकारी हासिल की गई इसके बाद जांच के नाम पर विभिन्न बैंक खातों में राशि जमा कराकर उसे अलग-अलग खातों में स्थानांतरित कराया गया पुलिस ने बैंकिंग चैनल की विभिन्न कड़ियों को ट्रेस करते हुए नेटवर्क से जुड़े खातों और आरोपियों तक पहुंच बनाई तथा कार्रवाई के दौरान लगभग 54 लाख 84 हजार रुपए की राशि बरामद की।

पैरामेडिकल स्टाफ की मौत, घर में मिला शव पुलिस जांच में जुटी

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। शहर के मालाखेड़ी रोड स्थित गोल्डन सिलिकॉन सिटी कॉलोनी में रविवार सुबह 43 वर्षीय महिला की मौत का मामला सामने आया। महिला की पहचान सरोज गोयल के रूप में हुई है। वह शहर के एक निजी अस्पताल में पैरामेडिकल स्टाफ के रूप में कार्यरत थीं। घटना के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है पुलिस के अनुसार महिला अपनी 11 वर्षीय बेटी के साथ एक कमरे में सो रही थीं, जबकि उनके पति दूसरे कमरे में थे। सुबह बेटी की नजर मां पर पड़ी तो उसने शोर मचाया। आवाज सुनकर पति और पड़ोसी मौके पर पहुंचे और महिला को अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया घटना की सूचना मिलने के बाद कोतवाली पुलिस और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने मौके से संबंधित सामग्री जब्त की है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है एसआई वंशज श्रीवास्तव ने बताया कि प्रथम दृष्टया मौत फांसी से होने की बात सामने आई है।महिला ने यह कदम क्यों उठाया इसका कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं है पुलिस परिवार के सदस्यों के बयान दर्ज कर मामले की जांच करेगी घटना के बाद महिला के पति और बेटी सदमे में हैं। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है और आत्महत्या के कारणों समेत घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है।

पुजारी के घर घुसकर हमले के 5 दोषियों को सजा बेटी को भगाने से रोकने पर दरवाजा तोड़कर घुसे थे; एक की मौत हो चुकी

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम में करीब ढाई साल पहले रात में पुजारी के मकान में घुसकर मारपीट व परिवार के सदस्यों पर जानलेवा हमला करने वाले पांच आरोपियों को कोर्ट ने शनिवार को 7-7 साल की सजा सुनाई है। हमले में पुजारी को शरीर पर चाकू से कई चोटें आई थीं। फैसला सप्तम अपर सत्र न्यायाधीश रतलाम राजेश नामदेव ने सुनाया।

यह था मामला: पैरवीकर्ता अपर लोक अभियोजन एवं शासकीय अधिवक्ता समरथ पाटीदार ने बताया कि 30 जनवरी 2024 की रात लगभग 12:45 बजे फरियादी अपने परिवार के साथ कबीर साहब मंदिर परिसर के पीछे स्थित मकान में सो रहा था। फरियादी लगभग 30 वर्षों से मंदिर में पुजारी का कार्य कर रहा था। फरियादी की 18 वर्षीय बेटी को आरोपी भय्यु उर्फ यश अपने साथ ले जाकर उससे शादी करना चाहता था। इस कारण परिजनों द्वारा बेटी को उसकी नानी के पास ग्वालियर भेज दिया था। इसी बात से नाराज होकर आरोपी भय्यु उर्फ यश अपने अन्य पांच साथियों के साथ पुजारी के मकान पर पहुंचा। आरोपियों ने दरवाजा तोड़कर मकान में प्रवेश किया। फरियादी पर जान से मारने की नीयत से धारदार चाकू से प्राण घातक हमला कर दिया। फरियादी को बचाने आए उसके बेटे, पत्नी एवं माता के साथ भी आरोपियों द्वारा चाकू से हमला कर मारपीट की गई थी।

केस दर्ज कर पुलिस जांच में जुटी: फरियादी की रिपोर्ट पर थाना स्टेशन रोड, रतलाम में आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर पुलिस जांच में जुटी। फरियादी एवं अन्य गवाहों के कथन लेकर आरोपी भय्यु उर्फ यश एवं रेहान उर्फ बाल को गिरफ्तार किया गया। भय्यु उर्फ यश से घटना में पेश धारदार चाकू भी जब्त किया। अन्य आरोपियों की संलिप्तता सामने आने पर उन्हें भी गिरफ्तार कर पांचों आरोपियों के खिलाफ अभियोग पत्र न्यायालय में पेश किया। न्यायालय में बयान के दौरान फरियादी व उसकी पत्नी ने आरोपीगण की पहचान मारपीट करने वालों के रूप में की थी। न्यायालय ने जुर्माने की राशि में से 15 हजार रुपए फरियादी को देने का आदेश किया। आरोपी भय्यु उर्फ यश को हाईकोर्ट से भी जमानत नहीं मिलने से गिरफ्तारी दिनांक 1 फरवरी 2024 से ही जेल में है। शेष आरोपी जमानत पर होने से गिरफ्तार कर इन्हें जेल भेज दिया।

मंदसौर में 6 दिन में सिर्फ 0.04 इंच बारिश:धूप-उमस से बढ़ी परेशानी, 24 से फिर बारिश के आसार

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले में बारिश का दौर फिलहाल थमा हुआ है। पिछले छह दिनों में पूरे जिले में सिर्फ 0.04 इंच बारिश दर्ज हुई है। शनिवार को दिनभर धूप रही और रविवार को भी मौसम इसी तरह बना हुआ है। बारिश रुकने के बाद गर्मी और उमस बढ़ गई है।

31 डिग्री तक पहुंचा तापमान: शनिवार को मंदसौर में दिन का तापमान करीब 31 डिग्री सेल्सियस रहा। बारिश नहीं होने से उमस का असर बढ़ गया। दलौदा, अफजलपुर, सीतामऊ, नाहरगढ़, भानपुरा, गरोठ, सुवासरा, शामगढ़, मल्हारगढ़, पिपलियामंडी, नारायणगढ़, डिगांव और बरखेड़ा समेत ज्यादातर इलाकों में भी बारिश नहीं हुई। इस साल अब तक 20.37 इंच बारिश: 1 जून से 23 अगस्त तक जिले में औसतन 517.4 मिमी यानी 20.37 इंच बारिश दर्ज की गई है। पिछले साल इसी अवधि में 22.11 इंच बारिश हुई थी। यानी इस साल अब तक करीब 2 इंच कम बारिश हुई है। जिले में सबसे ज्यादा बारिश धुंधड़का में 645 मिमी दर्ज की गई है। इसके बाद भावगढ़ में 576.2, मल्हारगढ़ में 541, शामगढ़ में 538.2, गरोठ में 527, सीतामऊ में 520, सुवासरा में 514.1, मंदसौर में 501, भानपुरा में 498.6, कयामपुर में 427.5 और संजीत में 403 मिमी बारिश हुई है।

मंदसौर तहसील में 60 मिमी कम बारिश: मंदसौर तहसील में 1 जून से 23 अगस्त तक 501 मिमी यानी करीब 19.72 इंच बारिश हुई है।

जल जीवन मिशन के कार्यों का प्रमुख अभियंता ने किया निरीक्षण

मेहरूखेड़ी में ग्रामीणों से संवाद, अटारी खेजड़ा में निर्माणाधीन उच्च स्तरीय टंकी व सम्पवेल के कार्यों की ली जानकारी

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान-2026 के अंतर्गत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख अभियंता श्री संजय कुमार अंधवान एवं अधीक्षण यंत्री श्री एम.सी. अहिरवार ने विकासखंड ग्यारसपुर के ग्राम मेहरूखेड़ी एवं अटारी खेजड़ा का भ्रमण कर जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित एवं निर्माणाधीन नल-जल योजनाओं का स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने पेयजल व्यवस्था की स्थिति, योजनाओं के संचालन तथा निर्माण कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लिया।

मेहरूखेड़ी में ग्रामीणों से लिया पेयजल व्यवस्था का फीडबैक: ग्राम मेहरूखेड़ी में प्रमुख अभियंता श्री संजय कुमार अंधवान ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर गांव में पेयजल आपूर्ति की स्थिति, पेयजल की गुणवत्ता तथा नल-जल योजना के संचालन के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने ग्रामीणों से योजना के नियमित संचालन में आ रही समस्याओं के बारे में भी चर्चा की और आवश्यक सुझाव दिए। प्रमुख अभियंता ने ग्रामीणों को नल-जल योजना के सुचारू एवं निरंतर संचालन के लिए निर्धारित पेयजल शुल्क की राशि प्रतिमाह समय पर जमा करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों द्वारा नियमित रूप से जमा की

जाने वाली राशि का उपयोग योजना से संबंधित विद्युत बिलों के भुगतान, पंप ऑपरेटर के मानदेय तथा नल-जल योजना के आवश्यक संधारण एवं रखरखाव कार्यों में किया जाता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की सहभागिता एवं सहयोग से ही पेयजल योजनाओं को लंबे समय तक सुचारू रूप से संचालित रखा जा सकता है। उन्होंने ग्रामीणों से पेयजल व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए नियमित शुल्क जमा करने तथा जल का सदुपयोग करने की अपील की।

अटारी खेजड़ा में निर्माण कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता देखी: इसके पश्चात अधिकारियों ने ग्राम अटारी खेजड़ा पहुंचकर जल जीवन मिशन के अंतर्गत निर्माणाधीन उच्च स्तरीय टंकी एवं सम्पवेल सहित अन्य संबंधित कार्यों का स्थल निरीक्षण किया। प्रमुख अभियंता ने निर्माण कार्य की वर्तमान प्रगति, उपयोग की जा रही निर्माण सामग्री तथा कार्य की गुणवत्ता का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी से कार्य की प्रगति की जानकारी लेते हुए शेष निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही निर्माण कार्यों में निर्धारित गुणवत्ता मानकों का अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित करने तथा कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश संबंधित ठेकेदार को दिए। निरीक्षण के दौरान लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री अनुपम गहोई, सहायक यंत्री रहे।

सागर में बीएमसी-नर्सिंग कॉलेज को मिली 60 सीटों की मंजूरी

वर्ष 2024 में प्रवेश पर लगी थी रोक, 6 जिलों के छात्रों को मिलेगा सीधा लाभ

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज (क्रस्ट) के शासकीय कॉलेज ऑफ नर्सिंग को 60 नर्सिंग सीटों की मंजूरी मिल गई है। पिछले दो वर्षों से स्टाफ और जरूरी संसाधन जुटाने के प्रयासों के बाद संस्थान को यह अनुमति मिली है। वर्ष 2024 में नर्सिंग कॉलेज में प्रवेश पर रोक लग गई थी। इसके बाद प्रबंधन ने व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने और मान्यता बहाल कराने की प्रक्रिया शुरू की थी।

स्टाफ और संसाधन जुटाने के बाद मिला अनुमोदन: प्रवेश पर रोक लगने के बाद बीएमसी प्रबंधन ने नर्सिंग कॉलेज की व्यवस्थाओं को बेहतर करने पर काम किया। आवश्यक स्टाफ और संसाधन उपलब्ध कराने के बाद कॉलेज की मान्यता के लिए आवेदन किया गया। आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब 60 सीटों को मंजूरी दी गई है।

छह जिलों के विद्यार्थियों को मिलेगा : बीएमसी नर्सिंग कॉलेज में सीटें शुरू होने से सागर के साथ दमोह, पन्ना, छतरपुर,

टीकमगढ़ और निवाड़ी जिले के विद्यार्थियों को भी लाभ मिलेगा। इन क्षेत्रों के विद्यार्थियों को नर्सिंग शिक्षा के लिए बड़े शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा और अपने ही संभाग में बेहतर शैक्षणिक सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ तैयार करने में मिलेगी मदद: बीएमसी के डीन डॉ. पीएस ठाकुर ने बताया कि 60 नर्सिंग सीटों की उपलब्धता से संस्थान में प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ तैयार करने में मदद मिलेगी। इसका लाभ बीएमसी के साथ आसपास के शासकीय अस्पतालों को भी मिलेगा। प्रशिक्षित नर्सिंग कर्मियों की उपलब्धता बढ़ने से अस्पतालों में मरीजों की देखभाल और उपचार व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। इससे सागर और आसपास के जिलों की स्वास्थ्य सेवाओं को भी मजबूती मिलने की उम्मीद है।

अपर कलेक्टर ने वनजागीर में विकास कार्यों और शासकीय संस्थानों का किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर ने शनिवार को गुलाबगंज तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत वनजागीर का भ्रमण कर विभिन्न विकास कार्यों एवं शासकीय संस्थानों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माणाधीन गौशाला, पंचायत भवन, आंगनबाड़ी केंद्र, शासकीय विद्यालय सहित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) दुकान एवं पेट्रोल पंप का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर श्री डामोर ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से निर्माण कार्यों और विभागीय व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने मौके पर उपलब्ध सुविधाओं, व्यवस्थाओं तथा निर्माण कार्यों की प्रगति का अवलोकन करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अपर कलेक्टर ने ग्राम भ्रमण के दौरान आमजनों से संवाद कर उनकी समस्याएं एवं स्थानीय आवश्यकताओं की जानकारी भी ली। ग्रामीणों द्वारा बताई गई समस्याओं के निराकरण के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि आमजन से जुड़ी समस्याओं के निराकरण में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी न हो तथा निर्धारित समय-सीमा में प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

तापमान 31 डिग्री; अगले 5 दिन तेज बारिश के आसार नहीं

खरगोन में 11 दिन से बारिश का इंतजार

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन जिले में पिछले 11 दिनों से बारिश नहीं हुई है। इसके चलते दिन का तापमान बढ़कर 31 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। दोपहर में उमस भी बढ़ गई है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले पांच दिनों में खरगोन में तेज बारिश की संभावना कम है। हालांकि कुछ स्थानों पर हल्की बौछारें पड़ सकती हैं।

12 अगस्त को हुई थी आखिरी बारिश: जिले में आखिरी बार 12 अगस्त को बारिश दर्ज की गई थी। इसके बाद

से मौसम शुष्क बना हुआ है। दिन में धूप निकलने के साथ उमस बढ़ रही है। खरगोन, गोगावां, भीकनगांव और भगवानपुरा क्षेत्र में पहले हुई अच्छी बारिश का असर अब भी दिखाई दे रहा है। इन इलाकों से गुजरने वाली वेदा, कुंदा और उनकी सहायक नदियों में पानी बह रहा है।

बड़े जलाशय भरे, छोटे अब भी खाली: अच्छी बारिश के चलते देजला देवाड़ा, अपरवेदा और साटक जैसे बड़े जलाशय भर चुके हैं। हालांकि जिले के अधिकांश छोटे जलाशयों में अभी पर्याप्त पानी नहीं पहुंचा है। बारिश का दौर थमने से इन जलाशयों में पानी की आवक भी प्रभावित हुई है।

पिछले साल से 6 इंच ज्यादा बारिश: खरगोन में इस साल अब तक 24.7 इंच बारिश दर्ज की जा चुकी है। पिछले साल इसी अवधि में 18.7 इंच बारिश हुई थी। में करीब 6 इंच ज्यादा बारिश हो चुकी है।

सागर में उल्दन बांध ओवरफ्लो, 451 मीटर भरा

डूबे 3 प्रमुख पुल, बंद हुए रास्ते, प्रशासन ने तैनात किए सुरक्षा गार्ड

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर में बंडा वृहद सिंचाई परियोजना के तहत बनाए गए उल्दन बांध का जलस्तर क्रस्ट लेवल 451 मीटर से ऊपर पहुंचने के बाद बांध ओवरफ्लो हो गया है। लगातार बारिश के चलते बांध के कैचमेंट एरिया में पानी भरने लगा है। बांध से निकल रहे पानी के कारण आसपास के इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई है।

बहरोल पुल पूरी तरह डूबा: बांध का पानी बढ़ने से सागर-धामोनी मार्ग पर ग्राम बहरोल में बना पुल पूरी तरह पानी में डूब

गया है। इसके बाद इस मार्ग पर वाहनों का आवागमन बंद कर दिया गया है। मार्ग पर सुरक्षा की दृष्टि से लोगों को पुल पार करने से रोका जा रहा है। बांध निर्माण के बाद यह पहला मौका है, जब बारिश के सीजन में उल्दन बांध को पूरी क्षमता तक भरा जा रहा है। पहले वर्ष बांध का जलस्तर 451 मीटर तक रखने का लक्ष्य था, जो अब पूरा हो चुका है।

तीन पुल पानी में डूबे, कई रास्ते बंद: लगातार बारिश और बढ़ते जलस्तर के कारण सागर-धामोनी, बंडा-बांदरी और नीमोन-पिपरिया इल्लाई मार्ग प्रभावित हुए हैं। बंडा-बांदरी और नीमोन-पिपरिया इल्लाई मार्ग के पुल पहले ही डूब चुके थे, जबकि अब सागर-धामोनी मार्ग पर बहरोल का पुल भी पानी में डूब गया है। इन सभी मार्गों पर आवागमन बंद कर दिया गया है। लोगों की सुरक्षा के लिए संबंधित स्थानों पर सुरक्षा गार्ड भी तैनात किए गए हैं।

नर्मदापुरम में पैरामेडिकल स्टाफ ने फांसी लगाकर जान दी

सुबह बेटी ने फंदे पर लटका देखा तो चीखने लगी; पति-पड़ोसी अस्पताल ले गए

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम शहर के मालाखेड़ी रोड स्थित गोल्डन सिलिकॉन सिटी कॉलोनी की एक मल्टी में रहने वाली 43 वर्षीय महिला ने रविवार सुबह आत्महत्या कर ली। पहचान सरोज गोयल के रूप में हुई, जो शहर के निजी सेठा हॉस्पिटल में पैरामेडिकल स्टाफ के रूप में काम करती थीं। पुलिस के मुताबिक घटना रविवार सुबह करीब 7 बजे की है। तीसरे फ्लोर पर स्थित फ्लैट में महिला अपनी 11 साल की बेटी के साथ एक कमरे में सो रही थीं, दूसरे कमरे में पति नीलेश गोयल सो रहे थे। सुबह बेटी जागी तो उसने मां को घर की कवर्ड बालकनी में इस हालत में देखा और चीख पड़ी। आवाज सुनकर पति और पड़ोसी मौके पर पहुंचे और तत्काल उन्हें अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद कॉलोनी में सनसनी फैल गई। परिवार में पति का मेडिसिन सप्लाई का व्यवसाय है। घटना के बाद पति और बेटी गहरे सदमे में है। कोतवाली पुलिस जांच कर रही है। पुलिस को पंखे में दुपट्टा लटका मिला घटना के

बाद कोतवाली थाने से पुलिस और एफएसएल मौके पर पहुंची। बालकनी में दुप्पटे से बना फंदा पंखे में लटका मिला। पुलिस ने दुपट्टा और अन्य साक्ष्य मौके से जब्त किए।

सुसाइड की वजह पता लगा रहे: एसआई वंशज श्रीवास्तव ने बताया प्रथम दृष्टया मृत्यु फांसी से हुई है। घटनास्थल का मुआयना किया गया है। आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। मामले की जांच जारी है। परिवार के बयान दर्ज किए जाएंगे। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

ओवरब्रिज हादसे में 17 दिन बाद बाइक सवार की मौत

आरोप- मेडिकल कॉलेज में न्यूरोसर्जन नहीं होने से जान गई; पीएम की सामग्री खरीदकर लाना पड़ा

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा में एक सड़क एक्सीडेंट के दौरान गंभीर घायल हुए जनपद सदस्य के भाई की इलाज के दौरान मौत हो गई। रविवार को पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजन के सुपुर्द कर दिया गया। हादसा मूंदी रोड़ पर सिहाड़ा ओवरब्रिज के पास हुआ था। आमने-सामने बाइक की भिड़ंत हो गई थी। मृतक की पहचान शेख अजीज (51) निवासी मुंदवाड़ा के रूप में हुई हैं। इधर, मृतक के भाई शेख इमरान (जनपद सदस्य) ने बताया कि भाई के परिवार में उनकी पत्नी और चार बेटे हैं, सभी बच्चे अविवाहित हैं। वे खेती करते हैं और घटना वाले दिन 5 अगस्त को घर से खंडवा जा रहे थे। इसी दौरान सामने से एक बाइक वाले ने रॉन्ग साइड आकर टक्कर मार दी थी। लोगों ने भाई को अस्पताल भिजवाया, सिर

में अंदरुनी चोंट होने से उनकी हालत गंभीर थी। शुरुआत में कुछ दिन मेडिकल कॉलेज अस्पताल और फिर इंदौर में इलाज कराया गया। जहां वेंटिलेटर सपोर्ट दिया गया, लेकिन बाद में वापस खंडवा अस्पताल भेज दिया। परिजनों की मानें तो इतने बड़े अस्पताल में न्यूरो सर्जन तक नहीं हैं, विशेषज्ञ होते तो समय पर इलाज होने से जान बच जाती। 17 दिन तक चले इलाज के बाद भी उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। खंडवा से इंदौर रेफर किया, तब तक हालत और बिगड़ चुकी थी।

पोस्टमार्टम का सामान परिजनों से मंगवाया: इधर, मेडिकल कॉलेज अस्पताल की मार्च्युरी में सुबह पोस्टमार्टम हुआ। इस दौरान पोस्टमार्टम का सामान स्टाफ ने परिजनों से मंगवाया। पूछने पर स्टाफ ने कहा कि पालीथीन, कपड़े और अन्य सामग्री परिवार वालों को ही लाकर देना होती हैं। ऐसा बहुत समय से चला आ रहा है। इसके बाद बाजार गए और करीब एक हजार रुपए का सामान खरीदकर मार्च्युरी स्टाफ को दिया।

CMHO बोले- सामान देने का नियम अस्पताल का: मामले में सीएमएचओ डॉ. ओपी जुगतावत का कहना है कि पोस्टमार्टम रूम का मैनेजमेंट जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज का है। शव परीक्षण के दौरान सभी संसाधन और सामग्री अस्पताल प्रबंधन द्वारा ही उपलब्ध कराई जाना चाहिए। यह नियम है। यदि सामग्री परिजनों से बुलवाई जाती है तो यह मानवीयता के खिलाफ भी है। शिकायत मिलती है तो जांच करके कार्रवाई की जाएगी।

मानसी लाथर ने रजत,

तन्वी और कोमल ने जीता कांस्य पदक

स्लोवाकिया ,एजेसीं। भारतीय महिला कुश्ती टीम ने स्लोवाकिया में अपनी अंडर-20 वर्ल्ड चैंपियनशिप की गिनती में तीन और पदक जोड़े। चैंपियनशिप के आखिरी दिन टीम ने एक रजत और दो कांस्य पदक हासिल किए। मानसी लाथर को 68 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में चीन की चेनलिंग सोंग के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। मानसी डिफेंसिव बाउट 1-2 से हार गईं। इसके बाद उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। तन्वी गुंडेश मगदुम ने 57 किग्रा भार वर्ग में कनाडा की एग्निया क्राकोवस्का को 10-4 से हराकर कांस्य पदक जीता। वहीं, कोमल ने 59 किग्रा भार वर्ग में हंगरी की एडा बालाज को 5-2 से हराकर कांस्य पदक जीता। इससे पहले शुक्रवार को, भारतीय महिला कुश्ती की नई सनसनी काजल ने 76 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। इसके अलावा तनु शर्मा और सविता ने रजत पदक जीते थे।

बायर्न म्यूनिख ने जीता खिताब

फाइनल में बोरुसिया डॉर्टमुंड को 2-1 से हराया

डॉर्टमुंड,एजेसीं। बायर्न म्यूनिख ने बोरुसिया डॉर्टमुंड को 2-1 से हराकर सीजन का पहला जर्मन सुपरकप (फ्रांज बेकनबाउर सुपरकप) जीता। जमाल मुसियाला और सर्ज ग्नाब्री के बाहर होने पर, बायर्न के कोच विंसेंट कोम्पनी ने नए खिलाड़ी डिफेंडर नैथेनियल ब्राउन को नंबर 10 रोल में भेजा। 23 साल के खिलाड़ी ने 28वें मिनट में गोल करके कोच के भरोसे को सही साबित किया। जोशुआ किमिच ने माइकल ओलिस की ओर एक लंबी गेंद भेजी, जिन्होंने एरिया के किनारे पर डॉर्टमुंड के डिफेंस को रोककर ब्राउन को बॉल दी। जर्मनी के इंटरनेशनल खिलाड़ी ने कोई गलती नहीं की, और गोलकीपर ग्रेगर कोबेल को छकाते हुए बायर्न के लिए अपना पहला प्रतियोगी गोल किया।

पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में विजिटर्स ने अपनी बढ़त दोगुनी कर ली। जोबे बेलिंगहैम ने अपने ही हाफ में पजेशन खो दिया। ओलिस गेंद लेकर पेनल्टी एरिया में दौड़े और शांति से कोबेल के पार नीचे-बाएं कोने में गोल कर दिया।

ब्रेक के बाद डॉर्टमुंड ने कई अटैकिंग सब्स्टीट्यूशन किए और 75वें मिनट में उन्हें इसका इनाम मिला जब सब्स्टीट्यूट फैबियो सिल्वा ने गोल किया। आखिरी स्टेज में दोनों टीमों ने तेजी से काउंटरअटैक किए। मैक्सिमिलियन बेयर के पास बराबरी करने का अच्छा मौका था लेकिन उन्होंने एक शॉट ऊपर मार गोल का मौका गंवा दिया और बायर्न ने जीत पक्की कर ली। इस जीत ने बायर्न को रिकॉर्ड 12वां सुपरकप टाइटल दिलाया। डॉर्टमुंड ने यह कॉम्पिटिशन छह बार जीता है। 2026-27 बुंडेसलीगा सीजन 28 अगस्त से शुरू होगा। डिफेंडिंग चैंपियन बायर्न वीएफबी स्टटगार्ट की मेजबानी करेगा। डॉर्टमुंड अगले दिन हैमबर्गर एसवी के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर अपना लीग कैंपेन शुरू करेगा।

मैच के बाद न्यूएर ने कहा, 'अब टीम के साथ इस सीजन का मजा लेने का समय है, और फिर हम देखेंगे। लेकिन हां, यह हो सकता है कि यह आखिरी सीजन हो।'

4 बार IPL चैंपियन रहे भारतीय ऑलराउंडर ने क्रिकेट से लिया संन्यास

नई दिल्ली,एजेसीं। : भारतीय क्रिकेट के अनुभवी लेग स्पिनर और ऑलराउंडर करण शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला कर लिया है। उत्तर प्रदेश में जन्मे करण अब भारतीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों को अलविदा कहेंगे। वह 25 अगस्त को उत्तर प्रदेश टी20 लीग 2026 में कानपुर सुपरस्टार्स के लिए अपना आखिरी मुकाबला खेलेंगे। करण शर्मा ने कानपुर सुपरस्टार्स और मेरठ मावेरिक्स के बीच मुकाबले के बाद अपने संन्यास का ऐलान किया। इसके साथ ही भारतीय घरेलू क्रिकेट में उनका लंबा सफर समाप्त होने जा रहा है। हालांकि, संन्यास के बाद भी वह क्रिकेट से जुड़े रहेंगे और भविष्य में कोचिंग समेत खेल से जुड़ी अन्य जिम्मेदारियां संभालने के लिए तैयार हैं।

● करण शर्मा ने क्या कहा?

संन्यास का ऐलान करते हुए करण शर्मा ने कहा, 'अब मैं संन्यास लेना चाहता हूं। मैं अपने परिवार, बीसीसीआई, रेलवे, यूपीसीए, आंध्र, विदर्भ क्रिकेट संघ और इस पूरे सफर में मेरा साथ देने वाले हर व्यक्ति का बेहद आभारी हूं।'

उन्होंने आगे कहा कि संन्यास के बाद भी वह क्रिकेट की दुनिया से दूर नहीं होंगे। करण ने बताया कि वह भविष्य में कोचिंग और खेल से जुड़ी अन्य जिम्मेदारियों के लिए उपलब्ध रहेंगे।

● 4 बार IPL चैंपियन बने करण शर्मा

करण शर्मा का आईपीएल करियर बेहद सफल रहा। उन्होंने 2013 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए आईपीएल डेब्यू किया और इसके बाद वह लीग के सबसे सफल खिलाड़ियों में शामिल हो गए। करण ने सनराइजर्स हैदराबाद के साथ 2016 में आईपीएल खिताब जीता। इसके बाद वह मुंबई इंडियंस से जुड़े और वहां भी चैंपियन बने। करण ने चेन्नई सुपर किंग्स के लिए चार सीजन खेले, जिसमें टीम ने 2018 और 2021 में आईपीएल ट्रॉफी अपने नाम की। इस तरह वह अपने करियर में कुल चार बार आईपीएल चैंपियन बने। चेन्नई के बाद करण शर्मा ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और फिर मुंबई इंडियंस का भी प्रतिनिधित्व किया। हालांकि, पिछले आईपीएल ऑक्शन में उन्हें कोई खरीदार नहीं मिला था।

● IPL में 90 मैच, 83 विकेट

करण शर्मा ने अपने आईपीएल करियर में 90 मुकाबले खेले और 26.88 की औसत से 83 विकेट अपने नाम किए। इस दौरान उन्होंने दो बार एक मैच में चार विकेट लेने का कारनामा किया। बल्लेबाजी में करण ने 41 पारियों में 352 रन बनाए। वह सनराइजर्स हैदराबाद के लिए अब बंद हो चुकी चैंपियंस लीग टी20 में भी खेल चुके हैं। करण शर्मा उन चुनिंदा खिलाड़ियों में भी शामिल हैं, जिन्होंने लगातार तीन आईपीएल खिताब जीते हैं। इस खास सूची में सुयश शर्मा और फिल सॉल्ट का नाम भी शामिल है।

● अंतरराष्ट्रीय करियर रहा छोटा-

करण शर्मा ने 2014 में भारतीय टीम के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया। उनका टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर सिर्फ एक मैच का रहा, जिसमें उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 28 रन देकर एक विकेट लिया।

2034 तक चेल्सी में बने रहेंगे जोआओ पेड्रो, क्लब ने की कॉन्ट्रैक्ट बढ़ाने की पुष्टि

लंदन ,एजेसीं। चेल्सी के फॉरवर्ड जोआओ पेड्रो ने प्रीमियर लीग क्लब के साथ एक नए कॉन्ट्रैक्ट पर साइन किया है। यह कॉन्ट्रैक्ट साल 2034 तक के लिए किया गया है। शनिवार को क्लब ने इसकी घोषणा की है। ब्राजील के इस खिलाड़ी ने जुलाई 2025 में ब्राइटन एंड होव एल्बियन से चेल्सी का रुख किया था और आते ही अपनी छाप छोड़ी। उन्होंने क्लब को फीफा क्लब वर्ल्ड कप जिताने में अहम भूमिका निभाई। पेड्रो ने सेमीफाइनल में अपने पूर्व क्लब फ्लुमिनेंस के खिलाफ दो गोल किए और फिर पेरिस सेंट-जर्मेन के खिलाफ चेल्सी की फाइनल जीत में भी गोल करके लंदन की टीम को ट्रॉफी जिताने में अहम भूमिका निभाई। 23 वर्षीय खिलाड़ी ने चेल्सी में अपने पहले पूरे सीजन में शानदार फॉर्म जारी रखी। उन्होंने सभी प्रतियोगिताओं में 20 गोल किए और उन्हें समर्थकों द्वारा क्लब का 'प्लेयर ऑफ द सीजन' चुना गया। पेड्रो ने वेस्ट हैम यूनाइटेड के खिलाफ घर से बाहर खेले गए गेम में 2025/26

सीजन का चेल्सी का पहला गोल भी किया और बाद में टोटेनहम हॉटस्पर के खिलाफ जीत में एकमात्र गोल भी दागा। उन्होंने यूईएफए चैंपियंस लीग में भी अपनी छाप छोड़ी और नेपोली के खिलाफ चेल्सी की जीत में दो गोल किए। अपना कार्यकाल बढ़ाने के बाद पेड्रो ने कहा, 'मैं चेल्सी के साथ नया कॉन्ट्रैक्ट साइन करके बहुत खुश हूं। मैंने हमेशा एक बड़े क्लब के लिए खेलने का सपना देखा था, और इस क्लब के प्रति अपनी लंबी अवधि की प्रतिबद्धता जताना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। चेल्सी की जीत की एक लंबी परंपरा रही है और भविष्य के लिए इसके बड़े लक्ष्य हैं।'

पेड्रो ने नए मैनेजर जाबी अलोंसो के नेतृत्व में आगामी सीजन को लेकर भी अपना उत्साह जाहिर किया। उन्होंने कहा, 'हर कोई इस सीजन के लिए बहुत उत्साहित है। हम जानते हैं कि हम बहुत कुछ हासिल कर सकते हैं। हमारे पास एक बेहतरीन टीम है, हमारे पास एक ऐसे कोच हैं जो जीतना चाहते हैं और पहले भी जीत चुके हैं। मैं पूरी तरह से प्रतिबद्ध हूं, हर कोई तैयार है, और उम्मीद है कि हम अपने लक्ष्य हासिल कर सकेंगे। 'पिछले सीजन 10वें स्थान पर रही चेल्सी की टीम 2026-27 प्रीमियर लीग में अपने सीजन का आगाज 24 अगस्त को फुलहम के खिलाफ करेगी।

आर्चरी प्रीमियर लीग खेलेंगी ओलंपिक मेडलिस्ट केसी कॉफहोल्ड

● सीजन 2 में शामिल होंगे दुनिया के 12 स्टार तीरंदाज

हैदराबाद ,एजेसीं। पेरिस 2024 ओलंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट केसी कॉफहोल्ड (यूएसए) आर्चरी प्रीमियर लीग (एपीएल) के दूसरे सीजन में डेब्यू करेंगी। यह टूर्नामेंट 8 अक्टूबर से हैदराबाद में शुरू होगा, जिसमें 10 अलग-अलग देशों के 12 विदेशी तीरंदाज हिस्सा लेंगे। आर्चरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया की इस लीग का दूसरा सीजन तेलंगाना सरकार के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इसमें छह क्षेत्रीय फ्रेंचाइजी में बंटे 48 तीरंदाज हिस्सा लेंगे। मौजूदा वर्ल्ड गेम्स इंडिविजुअल चैंपियन माइक श्लोसेर (वर्ल्ड नंबर 2) और एंड्रिया बेसेरा (वर्ल्ड नंबर 1) पहले सीजन के बाद फिर से वापसी करेंगे। सीजन 1 के स्टार और 2025 वर्ल्ड चैंपियनशिप के सिल्वर मेडलिस्ट मैथियास फुलरटन भी वापसी करेंगे। इनके साथ मेक्सिको के 22 वर्षीय मटियास ग्रांडे (वर्ल्ड नंबर 3) और स्पेन की एलिया कैनेलेस भी 11 दिन तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। 20 वर्षीय ओलंपिक मेडलिस्ट केसी कॉफहोल्ड उन खास खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल होंगी, जिनमें तुर्की के मेटे गाजोज और मेक्सिको की एलेजांद्रा वैलेंसिया जैसे ओलंपिक मेडलिस्ट शामिल हैं; ये दोनों खिलाड़ी लीग के पहले सीजन में भी खेले थे। कंपाउंड आर्चरी में वर्ल्ड नंबर 3 खिलाड़ी, कोलंबिया की एलेजांद्रा उस्कियानो, और ब्राजील के मार्कस डी'अल्मेडा - जो वर्तमान में दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी हैं और 2014 यूथ ओलंपिक खेलों में ब्रॉन्ज मेडलिस्ट रहे हैं - उन अन्य अंतरराष्ट्रीय तीरंदाजों में शामिल हैं।

भारत बनाम श्रीलंका: कोलंबो में शुभमन गिल के निशाने पर होंगे कई बड़े रिकॉर्ड्स

जो रूट को छोड़ सकते हैं पीछे

नई दिल्ली ,एजेसीं। भारत और श्रीलंका के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा और आखिरी मुकाबला रविवार से कोलंबो के सिंहली क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाना है। दूसरे टेस्ट में भारतीय कप्तान शुभमन गिल के पास कई बड़े रिकॉर्ड्स अपने नाम करने का सुनहरा मौका होगा। दरअसल, वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के मौजूदा साइकल में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में गिल अभी संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं। गिल और इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान जो रूट ने इस साइकिल में पांच-पांच शतक लगाए हैं। श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में अगर गिल शतक लगाने में सफल रहते हैं, तो वह मौजूदा डब्ल्यूटीसी साइकिल में सर्वाधिक शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। इसके साथ ही गिल डब्ल्यूटीसी के इस साइकिल में एक हजार रन पूरे करने से सिर्फ 26 रन दूर हैं। गिल ने अब तक खेले 9 टेस्ट मैचों में 69.57 की औसत से 974 रन बनाए हैं। डब्ल्यूटीसी की मौजूदा साइकल में गिल से आगे जो रूट और हैरी ब्रूक हैं। रूट 1174 और ब्रूक 1147 रन बना चुके हैं। टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल अगर कोलंबो में 7 रन बनाने में सफल रहते हैं, तो वह टेस्ट क्रिकेट में 3 हजार भी पूरे कर लेंगे। गिल ने क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में खेले 42 टेस्ट मैचों में 2,993 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 8 शतक और 11 अर्धशतक लगाए हैं। हालांकि, गाले में खेले गए पहले टेस्ट की दोनों ही पारियों में शुभमन गिल का बल्ला खामोश रहा था। पहली पारी में गिल 28 गेंदों का सामना करने के बाद सिर्फ 16 रन ही बना सके थे। वहीं, दूसरी इनिंग में गिल महज 8 रन बनाकर पवेलियन लौटे थे। ऐसे में भारतीय कप्तान दूसरे टेस्ट में दमदार प्रदर्शन करना चाहेंगे। भारत ने पहले टेस्ट में श्रीलंका को 165 रनों से हराया था। भारत की ओर से देवदत्त पडिक्कल ने 167 रनों की लाजवाब पारी खेली थी।

न सिर्फ खुद की जीत

एमस्टेलवीन,एजेसीं। एफआईएच विमेंस हॉकी वर्ल्ड कप 2026 में रविवार को भारतीय महिला टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहम मुकाबला खेलेगी। यह मैच 'पूल-ई' से सेमीफाइनल में जाने का रास्ता तय करने के लिए निर्णायक होगा। दोनों टीमों के पास एक-एक अंक हैं, जो टीम इस मुकाबले को अपने नाम करेगी, वह आगे बढ़ने की सबसे मजबूत स्थिति में होगी। हालांकि, अंतिम समीकरण रविवार को नीदरलैंड और चीन के बीच होने वाले मैच के नतीजों पर भी निर्भर करेगा। मेजबान नीदरलैंड ने शुक्रवार को भारत के खिलाफ 2-0 से जीत हासिल की थी। इसी के साथ मौजूदा चैंपियन ने सेमीफाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली। डच टीम ने ग्रुप-ई के अपने दोनों मैच जीते हैं। इस टीम के पास 6 अंक हैं। वहीं, चीन के दो प्वाइंट्स हैं। रविवार शाम 7:30 बजे नीदरलैंड और चीन के बीच मैच के बाद स्थिति स्पष्ट हो जाएगी, जबकि भारत का ऑस्ट्रेलिया के बीच मुकाबला रात 10:30 बजे से होगा। भारत को अगर सेमीफाइनल में पहुंचना है, तो उसे ऑस्ट्रेलियाई टीम को हराना होगा, लेकिन अगर चीन मेजबान टीम को शिकस्त देती है, तो उनके पांच प्वाइंट्स हो जाएंगे, जिसके बाद भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों की उम्मीदें खत्म हो जाएंगी। हालांकि, अगर वह मैच ड्रॉ रहता है या चीन हार जाता है, तो भारत को आगे बढ़ने और इतिहास रचने के लिए ऑस्ट्रेलिया पर सीधी जीत की जरूरत होगी।

इस साल की शुरुआत में एफआईएच नेशंस कप से ठीक पहले चार मुकाबलों की सीरीज के दौरान भारत-ऑस्ट्रेलिया की टीमों ने एक-दूसरे को अच्छी तरह परखा था। कड़े मुकाबले वाली उस सीरीज का नतीजा 2-2 से ड्रॉ रहा था। इससे पता चलता है कि आमने-सामने की टक्कर में टीमें कितनी बराबरी की हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बड़े मैच से पहले, भारत को मजबूत डच टीम के खिलाफ अपने अच्छे प्रदर्शन से आत्मविश्वास मिलेगा। शुरुआती गोल खाने के बावजूद, भारतीय डिफेंस शांत और अनुशासित रहा, जिसने लंबे समय तक मेजबान टीम को परेशान किया और यह सुनिश्चित किया कि वे कोई फील्ड गोल न खाएं। पूरे टूर्नामेंट में डिफेंसिव यूनिट भारत की सबसे बड़ी ताकतों में से एक रही है, जिसमें दिग्गज गोलकीपर सविता और बिचू देवी ने गोलपोस्ट के बीच भरोसेमंद मौजूदगी दिखाई है।

चीन के मुकाबले पर भी होंगी भारत की निगाहें

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ, डिफेंस की वह मजबूती फिर से अहम होगी, लेकिन भारत को अटैकिंग थर्ड में भी ज्यादा बेहतर प्रदर्शन की जरूरत होगी। टीम ने ओपन प्ले और पेनाल्टी कॉर्नर दोनों के जरिए मौके बनाए हैं। अब इन मौकों को गोल में बदलना जरूरी है, जो ऐसे मैच में निर्णायक साबित हो सकता है जहां जीत-हार का अंतर बहुत कम होने की संभावना है।

शिवी की नाबाद अर्धशतकीय पारी, स्ट्राइकर्स ने दर्ज की लगातार दूसरी जीत

नई दिल्ली ,एजेसीं। नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने विमेंस दिल्ली प्रीमियर लीग 2026 के तीसरे मुकाबले में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स को 10 रन से मात दी। सीजन में लगातार दूसरी जीत के बाद स्ट्राइकर्स ने प्वाइंट्स टेबल में पहला स्थान मजबूत कर लिया है। वहीं, 2 में से 1 मैच गंवाकर सुपरस्टार्स दूसरे पायदान पर है। शनिवार को अरुण जेटली स्टेडियम में पहले बल्लेबाजी करने उतरी नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने निर्धारित ओवरों में 4 विकेट खोकर 141 रन बनाए। शिवी शर्मा ने उपासना यादव के साथ पहले विकेट के लिए 75 गेंदों में 84 रन की साझेदारी की। उपासना 42 गेंदों में 7 चौकों के साथ 43 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। इसके बाद शिवी ने मोर्चा संभाला। उन्होंने कप्तान आयुषी सोनी के साथ दूसरे विकेट के लिए 37 गेंदों में 48 रन जुटाते हुए टीम को 132 के स्कोर तक पहुंचाया। आयुषी 19 गेंदों में 17 रन बनाकर आउट हुईं, जिसके बाद टीम ने 20वें ओवर की अंतिम दो गेंदों पर नजमा (1) और अर्चना (1) के विकेट भी गंवा दिए। शिवी ने 54 गेंदों में नाबाद 71 रन बनाए, उनकी इस पारी में 9 चौके भी शामिल रहे। विपक्षी खेमे से रूपाली मोहन ने 25 रन देकर 2 विकेट हासिल किए, जबकि दीक्षा नागर ने 20 रन देकर 2 विकेट चटकाए। इसके जवाब में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स निर्धारित ओवरों में 5 विकेट गंवाकर 131 रन ही बना सकी। इस टीम को तीसरी गेंद पर ही निशिका सिंह (0) के रूप में झटका लग गया था। इसके बाद तनिष्का सिंह ने प्रिया पुनिया के साथ दूसरे विकेट के लिए 36 रन जोड़े। प्रिया 10 रन बनाकर पवेलियन लौटीं, जिसके बाद तनिष्का ने कप्तान श्वेता सेहरावत के साथ तीसरे विकेट के लिए 35 रन जुटाकर टीम को जीत की पटरी पर ला दिया था, लेकिन टीम रनों की रफ्तार में तेजी नहीं ला सकी। तनिष्का ने 44 गेंदों में 6 चौकों के साथ 46 रन की पारी खेली, जबकि श्वेता ने 27 रन और तनीशा सिंह ने 24 रन का योगदान दिया। विपक्षी खेमे से नजमा ने सर्वाधिक 2 विकेट हासिल किए। रशिका बेनीवाल, अपेक्षा आनंद और प्रिया मिश्रा ने 1-1 विकेट चटकाया।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने 32 करोड़ के कार्यों का किया भूमिपूजन

नए बस स्टैंड के लिए 6.50 करोड़ और नगर पालिका कार्यालय के लिए 3.50 करोड़ की घोषणा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने आज महासमुंद में 31 करोड़ 60 लाख रुपए के कार्यों का भूमिपूजन किया। वे शहर के लोहिया चौक में आयोजित विभिन्न विकास कार्यों के भूमिपूजन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम में महासमुंद के नए बस स्टैंड को सुविधायुक्त और आधुनिक बस स्टैंड के रूप में विकसित करने 6 करोड़ 50 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने नगर पालिका के नए कार्यालय भवन के निर्माण के लिए 3 करोड़ 50 लाख रुपए की भी घोषणा की। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार शहरों के समग्र और संतुलित विकास के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार ने पिछले ढाई वर्षों में प्रदेश की दशा और दिशा बदलने का कार्य किया है। सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के सभी शहर स्वच्छ, सुंदर और विकसित बनें। उन्होंने कहा कि राज्य के छह जिलों को स्वच्छता के क्षेत्र में पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। सरकार बिना किसी भेदभाव के विकास कार्यों को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि युवाओं के बेहतर भविष्य को ध्यान में रखते हुए प्रदेश में 38 नालंदा परिसर स्वीकृत किए गए हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की एक-एक गारंटी को पूरा करने की दिशा में सरकार निरंतर कार्य कर रही है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की राशि घर बैठे मिल रही है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में विकास कार्य तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले ढाई वर्षों में प्रदेश में 12 हजार 666 करोड़ रुपए के पुल-पुलिया निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए हैं। महासमुंद जिले में भी विभिन्न विकास कार्यों के लिए 468 कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में चारों ओर सड़कों और अधोसंरचना के विकास को गति दी जा रही है। महासमुंद के विकास के लिए राज्य सरकार हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी। श्री साव ने कहा कि आने वाले समय में महासमुंद को देश का नंबर-1 स्वच्छ शहर बनाने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ना है।

24 अगस्त को छिंदगढ़ में लगेगा मेगा आयुष्मान कैंप 186 टीमें संभालेंगी मोर्चा, सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक बनेंगे आयुष्मान कार्ड

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सुकमा जिले में अधिक से अधिक पात्र लोगों को शासन की निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाओं से जोड़ने के लिए 24 अगस्त, सोमवार को छिंदगढ़ विकासखंड के विभिन्न गांवों में मेगा आयुष्मान कैंप का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर श्री अमित कुमार के निर्देशन में आयोजित इस अभियान में 186 टीमें तैनात रहेंगी। सुबह 8 से रात 8 बजे तक बनेंगे आयुष्मान कार्ड मेगा कैंप में स्वास्थ्य विभाग की टीमें पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाएंगी। कैंप का आयोजन सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक किया जाएगा, ताकि ग्रामीण अपनी सुविधा के अनुसार कैंप में पहुंचकर कार्ड बनवा सकें। जिला समन्वयक आयुष्मान कार्ड श्री अमृतेश ठाकुर ने बताया कि छिंदगढ़ विकासखंड के 30 गांवों में कैंप लगाए जाएंगे। इनमें कुन्ना, मिचवार, डब्बा, पुसगुन्ना, कुंदनपाल, अधिकारीरास, पालेम, पेरमारास, कावराकोपा, चिड़पाल, कंकेपाल, टाहकवाड़ा, चियुरवाड़ा, टोंगरास, बोदरास, पेदारास, कुकानार, कोडरीपाल-2, सौतनार, कोकावाड़ा, गुम्मा, नेतानार, तालनार, गंजेनार, कवासीरास, उरमापाल, गुड़रा, मेखावाया, चिपुरपाल और केरातोंग शामिल हैं। इलाज के समय मिलेगी बड़ी मदद आयुष्मान कार्ड के माध्यम से पात्र परिवारों को शासन की स्वास्थ्य योजनाओं के तहत निःशुल्क उपचार की सुविधा मिलती है। प्रशासन का प्रयास है कि जिले का कोई भी पात्र व्यक्ति इस सुविधा से वंचित न रहे।

ग्रामीणों से कैंप में पहुंचने की अपील: जिला प्रशासन ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे 24 अगस्त को अपने नजदीकी मेगा आयुष्मान कैंप में पहुंचकर अपना आयुष्मान कार्ड जरूर बनवाएं। यह अभियान ग्रामीण परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं से जोड़ने और जरूरत के समय उपचार की सुविधा आसानी से उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

पावस प्रसंग' में शास्त्रीय नृत्य एवं संगीत से साकार हुई वर्षा ऋतु की मनोहारी छटा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा भारतीय शास्त्रीय कला परंपरा और वर्षा ऋतु के सौंदर्य को समर्पित शास्त्रीय नृत्य एवं संगीत कार्यक्रम 'पावस प्रसंग' का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कलाकारों ने अपने नृत्य, संगीत और भावाभिव्यक्ति के माध्यम से वर्षा ऋतु के विविध रंगों, प्रकृति के उल्लास, मन के भावों और पावस से जुड़े सौंदर्यबोध को जीवंत कर दिया। शास्त्रीय कलाओं की मनोहारी प्रस्तुतियों ने उपस्थित दर्शकों को वर्षा की रिमझिम फुहारों, प्रकृति की हरियाली और पावस के भावलोक का सजीव अनुभव कराया। कार्यक्रम में राजभाषा आयोग के अध्यक्ष श्री प्रभात मिश्रा ने वर्षा ऋतु की विशेषताओं को अभिव्यक्त करती सुमित्रानंदन पंत की कविता का भावपूर्ण पाठ किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ वर्षा के दृष्टिकोण से अत्यंत समृद्ध प्रदेश है। प्रदेश की कृषि व्यवस्था सहित जनजीवन की अनेक गतिविधियां वर्षा पर निर्भर हैं। वर्षा प्रकृति को नवजीवन प्रदान करती है और इसके बिना हरियाली, कृषि समृद्धि तथा प्रकृति की जीवंतता की कल्पना कठिन है। श्री मिश्रा ने कहा कि वर्षा और प्रकृति के इस गहरे संबंध को भारतीय साहित्य, संगीत और नृत्य परंपरा ने सदियों से अपने-अपने ढंग से अभिव्यक्त किया है। भारतीय शास्त्रीय कलाओं में ऋतुओं और प्रकृति के विविध रूपों का विशेष स्थान रहा है। इसी सांस्कृतिक परंपरा को केंद्र में रखकर आयोजित 'पावस प्रसंग' वर्षा ऋतु के सौंदर्य, संवेदना और सांस्कृतिक महत्ता को जनमानस तक पहुंचाने का सार्थक प्रयास है। शास्त्रीय गायन और नृत्य ने बांधा समां 'पावस प्रसंग' में कलाकारों की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को भावपूर्ण और आकर्षक बना दिया। सुश्री आराध्या कुमारी सिंह ने शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति देकर पावस ऋतु के भावों को सुरों में पिरोया। उनके गायन ने वातावरण को संगीत की मधुरता से भर दिया। सुश्री ताक्षवी गौतम ने ओडिसी नृत्य की प्रस्तुति के माध्यम से वर्षा ऋतु की भाव-भंगिमाओं और प्रकृति के सौंदर्य को साकार किया। वहीं तरुण शर्मा एवं साथी कलाकारों ने कथक नृत्य की प्रस्तुति देकर ताल, लय, भाव और पद-संचालन का सुंदर समन्वय प्रस्तुत किया। सुश्री आँचल पांडेय ने भी ओडिसी नृत्य की मनोहारी प्रस्तुति से दर्शकों की खूब सराहना प्राप्त की। कलाकारों की प्रस्तुतियों ने पावस ऋतु के विविध भावों और रंगों को मंच पर सजीव रूप प्रदान किया। कलाकारों को मंच और प्रोत्साहन देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल 'पावस प्रसंग' केवल वर्षा ऋतु के सौंदर्य को कला के माध्यम से प्रस्तुत करने वाला कार्यक्रम नहीं रहा, बल्कि यह प्रदेश की कला एवं सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षण और संवर्धन देने के साथ कलाकारों को मंच उपलब्ध कराने की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल के रूप में सामने आया। ऐसे आयोजनों से शास्त्रीय नृत्य एवं संगीत के कलाकारों को अपनी साधना, प्रतिभा और रचनात्मकता को दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत करने का अवसर मिलता है। कार्यक्रम के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं में प्रकृति और ऋतुओं के महत्व को भी रेखांकित किया गया। वर्षा ऋतु भारतीय लोकजीवन, साहित्य, संगीत और नृत्य में सदैव प्रेरणा का स्रोत रही है। 'पावस प्रसंग' ने इसी समृद्ध परंपरा को आधुनिक मंच पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। संस्कृति संचालक डॉ. संजय कनौजे ने किया कलाकारों का उत्साहवर्धन कार्यक्रम का शुभारंभ संस्कृति विभाग के संचालक डॉ. संजय कनौजे की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर उप संचालक श्री उमेश मिश्रा, श्री उदय सिंह चौहान, वरिष्ठ साहित्यकार श्री अरविंद मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार श्री दीपेंद्र दीवान, वरिष्ठ कलाकार श्री रिखी क्षत्रिय एवं श्री विजय मिश्रा सहित कला एवं साहित्य जगत से जुड़े गणमान्यजन उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव महारुद्राभिषेक में हुए शामिल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव आज पावन श्रावण मास में महासमुंद के विशाल मेगा मार्ट परिसर में एक माह तक आयोजित महारुद्राभिषेक एवं हवन-पूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान शिव का रुद्राभिषेक कर हवन-पूजन किया। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने भगवान शिव की पूजा-अर्चना और अभिषेक कर प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली की मंगलकामना की। उन्होंने भगवान शिव से प्रदेश में निरंतर विकास और जनकल्याण की प्रार्थना की। कार्यक्रम में महासमुंद विधायक श्री योगेश्वर राजू सिन्हा सहित परिवारजन, पूर्व राज्य मंत्री श्री पूनम चंद्राकर, पूर्व सांसद श्री चुन्नी लाल साहू, पूर्व विधायक डॉ. विमल चोपड़ा, श्री येतराम साहू और नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री देवी चंद राठी सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं श्रद्धालु बड़ी संख्या में मौजूद थे।

दूरस्थ क्षेत्रों में तैनात जवानों तक पहुंचेगा बहनों का स्नेह 'रक्षा सूत्र' अभियान के तहत पुलिस जवानों के लिए भेंट की गई राखियां

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सुरक्षा व्यवस्था और सरहद पर तैनात वीर जवानों के प्रति सम्मान, स्नेह और कृतज्ञता प्रकट करने के लिए रक्षाबंधन के अवसर पर 'राखी से रक्षा' जैसे विशेष अभियान चलाए जाते हैं। इस अनूठी पहल के तहत देश के आम नागरिक, महिलाएं, स्कूली छात्र और सामाजिक संगठन मिलकर सैनिकों के लिए राखियां भेजते हैं। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर सुकमा जिला प्रशासन ने सुरक्षा में तैनात जवानों के प्रति सम्मान और अपनत्व की अनूठी पहल की है। जिला महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिले में 'रक्षा सूत्र' अभियान चलाया गया। अभियान के तहत शुक्रवार को पुलिस जवानों के लिए राखियां भेंट की गई, जिन्हें जिले के सुदूर और दुर्गम क्षेत्रों में तैनात जवानों तक पहुंचाया जाएगा। 'बहनों का स्नेह पहुंचेगा जवानों तक' परिवार से दूर रहकर दिन-रात कर्तव्य निभा रहे जवानों के लिए यह पहल विशेष महत्व रखती है। रक्षाबंधन के अवसर पर उनके हाथों तक राखी पहुंचाकर उन्हें बहनों के स्नेह, शुभकामनाओं और आशीर्वाद का एहसास कराया जाएगा। यह पहल जवानों के त्याग, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा के प्रति सम्मान की भावपूर्ण अभिव्यक्ति है। 'राखी बनेगी विश्वास और अपनत्व का प्रतीक' 'रक्षा सूत्र' अभियान के माध्यम से जिला प्रशासन ने जवानों के साथ सामाजिक जुड़ाव और अपनत्व का संदेश दिया है। प्रशासन का कहना है कि सुरक्षा व्यवस्था में तैनात जवान समाज की रक्षा के लिए कठिन परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। ऐसे में रक्षाबंधन के पर्व पर उनके प्रति स्नेह और सम्मान व्यक्त करना समाज की जिम्मेदारी है।

रक्षाबंधन से पहले बहनों को विष्णु भैया का महतारी वंदन उपहार

महतारी वंदन की राशि से बहनें मनाएंगी रक्षाबंधन का पर्व, घर-परिवार की खुशियों में बढ़ेगा आर्थिक संबल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। रक्षाबंधन के पावन पर्व से पहले छत्तीसगढ़ की बहनों को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने महतारी वंदन योजना की 30वीं किस्त के रूप में विशेष उपहार दिया है। 7 अगस्त 2026 को जारी 30वीं किस्त के साथ प्रदेश की पात्र महिलाओं के बैंक खातों में 19,444 करोड़ 33 लाख रुपये से अधिक की राशि अंतरित की जा चुकी है। रक्षाबंधन से पहले खाते में पहुंची यह राशि महिलाओं के लिए आर्थिक संबल के साथ पर्व की खुशियों को और बढ़ाने वाली सौगात बन गई है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में संचालित महतारी वंदन योजना अब महिलाओं के सम्मान, स्वाभिमान, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार बन चुकी है। योजना के तहत प्रतिमाह एक हजार रुपये की सहायता सीधे डीबीटी के माध्यम से महिलाओं के बैंक खातों में पहुंचाई जा रही है। रक्षाबंधन से पहले खाते में पहुंची राशि, बहनों के चेहरे पर खुशी रक्षाबंधन भाई-बहन के स्नेह और विश्वास का पर्व है। इस बार पर्व से पहले महतारी वंदन की राशि मिलने से महिलाओं में विशेष उत्साह है। महिलाएं इस राशि से भाई के लिए राखी, मिठाई और उपहार खरीदने के साथ-साथ घर-परिवार की जरूरतों को पूरा करते हुए रक्षाबंधन का पर्व धूमधाम से मनाने की तैयारी कर रही हैं। महिलाओं का कहना है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने रक्षाबंधन से पहले महतारी वंदन की राशि देकर बहनों की खुशियों को दोगुना कर दिया है। उनके लिए यह केवल एक हजार रुपये की मासिक सहायता नहीं, बल्कि अपने छोटे-बड़े फैसले स्वयं लेने का भरोसा और सम्मान का अहसास है। हर महीने की सहायता बनी परिवारों का सहारा सूरजपुर जिले की श्रीमती तेज कुमारी, श्रीमती मंजू रजवाड़े, श्रीमती पुनिया प्रजापति, श्रीमती शहनाज बेगम, श्रीमती गणेश्वरी प्रजापति, श्रीमती मेनका रजवाड़े और श्रीमती लता केंवट जैसी महिलाओं ने बताया कि महतारी वंदन की राशि से वे बच्चों की पढ़ाई, कॉपी-किताब, पौष्टिक भोजन और दैनिक जरूरतों को पूरा कर पा रही हैं। रक्षाबंधन के अवसर पर भी यह राशि उनके लिए उपयोगी साबित हो रही है।बचत से स्वरोजगार तक की नई राह महतारी वंदन योजना का सकारात्मक प्रभाव केवल घरेलू जरूरतों तक सीमित नहीं है। अनेक महिलाओं ने नियमित मिलने वाली राशि को बचाकर स्वरोजगार की नींव रखी है। मुंगेली विकासखंड के ग्राम घुठेरा की श्रीमती अनीता गंधर्व ने महतारी वंदन से मिली राशि को बचाकर मुंगेली के पुराना बस स्टैंड क्षेत्र में मनिहारी एवं सिलाई दुकान शुरू की। आज वे प्रतिदिन 500 से 1,000 रुपये तक की आय अर्जित कर रही हैं और बच्चों की पढ़ाई तथा घरेलू खर्च में सहयोग कर रही हैं जांजगीर-चांपा जिले के ग्राम सरखों की श्रीमती शबीना बेगम ने योजना की राशि से अपनी चूड़ी दुकान में नया सामान और चूड़ियों की विविधता बढ़ाई। इससे ग्राहकों की संख्या और आमदनी दोनों में वृद्धि हुई है। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले की श्रीमती गायत्री श्रीवास्तव ने राशि बचाकर सेकेंड हैंड सिलाई-पिको मशीन खरीदी। अब वे सिलाई के साथ पिको का काम भी कर आय बढ़ा रही हैं। रायगढ़ की श्रीमती राशी कँवर ने भी महतारी वंदन की किस्तों से सिलाई मशीन खरीदी, जो उनके लिए आजीविका और आत्मनिर्भरता का साधन बन गई है। भविष्य की सुरक्षा का भी भरोसा कोरबा की श्रीमती शकुंतला कुर्रे महतारी वंदन की राशि का उपयोग बच्चों की पढ़ाई और स्वास्थ्य के साथ अपनी बेटी धीयांशी के लिए सुकन्या समृद्धि योजना में बचत करने में कर रही हैं। सक्ती जिले की श्रीमती हेमंत बंजारे, मोहला जिले की श्रीमती देवकी निषाद और मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर की श्रीमती अनीता गुप्ता भी योजना की राशि से घरेलू जरूरतों और छोटे व्यवसाय को मजबूती दे रही हैं। 30 किस्तों ने बनाया भरोसे का मजबूत आधार 1 मार्च 2024 से शुरू हुई महतारी वंदन योजना की 30 किस्तों की निरंतरता ने महिलाओं को नियमित आर्थिक संबल दिया है। इस भरोसे के कारण महिलाएं अपनी जरूरतों के अनुसार खर्च, बचत और निवेश की योजना बना पा रही हैं। कई महिलाएं सिलाई, मनिहारी, चूड़ी व्यवसाय और अन्य छोटे स्वरोजगार से जुड़कर अतिरिक्त आय भी अर्जित कर रही हैं। महतारी वंदन से खुशहाल परिवार, सशक्त मातृशक्ति महतारी वंदन योजना ने महिलाओं की घरेलू निर्णयों में भागीदारी को मजबूत करने के साथ बच्चों की शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य पर खर्च को बढ़ावा दिया है। महिलाओं के हाथ में नियमित आर्थिक सहायता पहुंचने से परिवारों में आर्थिक स्थिरता और आत्मविश्वास बढ़ा है।

महतारी वंदन से शांति के घर आई खुशियों की मिठास

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का पर्व रक्षाबंधन इस बार ग्राम बेमेतरा के नवागांव की शांति के लिए खास खुशियां लेकर आया है। महतारी वंदन योजना से मिलने वाली आर्थिक सहायता ने शांति को अपने परिवार की जरूरतों में सहयोग करने के साथ-साथ अपनी छोटी-छोटी खुशियां अपने दम पर पूरी करने का संबल दिया है। शांति बताती हैं कि महतारी वंदन योजना के तहत मिलने वाली राशि उनके लिए काफी उपयोगी है। इससे वे अपनी जरूरतों को पूरा करने के साथ परिवार की आवश्यकताओं में भी सहयोग कर पाती हैं। इस बार रक्षाबंधन के अवसर पर उनके मन में एक खास खुशी है। वे अपने भाई के लिए राखी के साथ मिठाई लेंगी और अपने हाथों से भाई को मिठाई खिलाकर रक्षाबंधन का पर्व मनाएंगी। शांति के लिए भाई को मिठाई खिलाने की यह छोटी-सी खुशी बेहद खास है। उनका कहना है कि अपने पैसों से भाई के लिए मिठाई खरीदना उनके लिए आत्मीयता और आत्मविश्वास से जुड़ा अनुभव है। महतारी वंदन योजना से मिलने वाली आर्थिक सहायता ने उन्हें यह महसूस कराया है कि वे भी अपने परिवार और रिश्तों की खुशियों में अपनी ओर से योगदान दे सकती हैं। शांति भावुक होकर कहती हैं, 'महतारी वंदन योजना से मुझे बहुत सहारा मिला है। इस बार राखी पर मैं अपने भाई के लिए मिठाई लूंगी और खुशी से रक्षाबंधन मनाऊंगी। भाई-बहन का यह रिश्ता मेरे लिए बहुत खास है। महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए ऐसी योजना शुरू करने पर मैं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय 'विष्णु भैया' को हृदय से धन्यवाद देती हूं।' वह आगे कहती हैं कि 'राखी का रिश्ता, भरोसे का साथ–विष्णु भैया संग विकास की बात' आज उनके लिए सिर्फ एक पंक्ति नहीं, बल्कि उस भरोसे की भावना है जो उन्हें महतारी वंदन योजना के माध्यम से मिला है। रक्षाबंधन के इस पर्व पर शांति अपने भाई की कलाई पर प्रेम और विश्वास की राखी बांधेंगी और मिठाई खिलाकर इस रिश्ते की मिठास को और बढ़ाएंगी। उनके चेहरे की खुशी इस बात की गवाही देती है कि आर्थिक संबल से महिलाओं के जीवन में छोटी-छोटी खुशियां भी बड़े आत्मविश्वास में बदल सकती हैं। 'हर बहन के चेहरे पर मुस्कान, विष्णु भैया का यही अरमान।' नवागांव की शांति की यह कहानी महतारी वंदन योजना से मिल रहे आर्थिक संबल और महिलाओं के बढ़ते आत्मविश्वास की एक भावुक तस्वीर है–जहां इस रक्षाबंधन पर एक बहन अपने भाई के लिए अपने पैसों से मिठाई लेकर खुशियों की मिठास बांटने जा रही है।

राखी का रिश्ता भरोसे का साथ, 'विष्णु भैया' संग विकास की बात राखी की मिठास में घुला महतारी वंदन का संबल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम, स्नेह और विश्वास का पर्व है। इस पावन अवसर पर बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधकर उसके सुखी और स्वस्थ जीवन की कामना करती है, तो भाई भी बहन की खुशियों और सम्मान की रक्षा का संकल्प लेता है। बेमेतरा की गीता वैष्णव के लिए इस वर्ष का रक्षाबंधन खास है। महतारी वंदन योजना से मिलने वाली नियमित आर्थिक सहायता ने उनकी खुशियों को एक नया सहारा दिया है। इस बार वे अपने भाई के लिए अपने पैसों से मिठाई खरीदेंगी, राखी बांधेंगी और पूरे उत्साह के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाएंगी। गीता वैष्णव बताती हैं कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से मिलने वाली आर्थिक सहायता उनके परिवार के लिए उपयोगी साबित हो रही है। रोजमर्रा की जरूरतों में सहयोग मिलने के साथ ही उन्हें अपनी छोटी-छोटी इच्छाएं पूरी करने का आत्मविश्वास भी मिला है। पहले जिन छोटी खुशियों के लिए दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था, अब उन्हें अपनी जरूरत के अनुसार खर्च करने की स्वतंत्रता महसूस होती है। रक्षाबंधन की तैयारियों को लेकर गीता के चेहरे पर अलग ही उत्साह है। वे बताती हैं कि इस बार वे अपने भाई के लिए मिठाई खरीदेंगी। राखी के दिन भाई की कलाई पर राखी बांधेंगी और परिवार के साथ मिलकर मिठाई खिलाकर इस पर्व की खुशियां साझा करेंगी। उनके लिए यह सिर्फ मिठाई खरीदने की बात नहीं, बल्कि अपने हाथ में आई आर्थिक मजबूती और आत्मविश्वास की खुशी है। गीता वैष्णव भावुक होकर कहती हैं, 'महतारी वंदन योजना से मुझे आर्थिक सहारा मिला है। इस बार राखी पर मैं अपने भाई के लिए अपने पैसों से मिठाई लूंगी और खुशी से रक्षाबंधन मनाऊंगी। यह मेरे लिए बहुत खुशी की बात है। महिलाओं के सम्मान और आर्थिक मजबूती के लिए ऐसी योजना चलाने पर मैं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय 'विष्णु भैया' को हृदय से धन्यवाद देती हूं।' उनके शब्दों में सरकार की योजना से मिले आर्थिक संबल के साथ-साथ भाई-बहन के रिश्ते की मिठास और आत्मनिर्भरता का विश्वास भी झलकता है। गीता के लिए महतारी वंदन योजना केवल आर्थिक सहायता का माध्यम नहीं, बल्कि अपने परिवार की खुशियों में अपनी भागीदारी बढ़ाने का अवसर भी बनी है। रक्षाबंधन के इस अवसर पर गीता की कहानी उस भावना को साकार करती है– 'राखी का रिश्ता, भरोसे का साथ–विष्णु भैया संग विकास की बात।' महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों से प्रदेश की अनेक महिलाएं अपने परिवार की जरूरतों में सहयोग दे रही हैं। गीता वैष्णव की यह छोटी-सी खुशी भी इसी बड़े बदलाव की तस्वीर है। 'बहनों की खुशहाली का उपहार, विष्णु भैया की सरकार।'

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा